

बेटे-बेटियों, भाई-भतीजों, साले-बहनोई, बहू-दामाद का है लोकतंत्र

वंशवाद के कारण सड़ गई भारतीय राजनीति

भारतीय लोकतंत्र का मौजूदा विपक्ष सम्पूर्ण रूप से परिवारवाद और वंशवाद का विपक्ष है। वंशवादी राजनीति का विरोध करने वाला सत्ता पक्ष (प्रमुख रूप से भाजपा) भी अब वंशवाद के सामने आत्मसमर्पण की मुद्रा में आ गई है। वंशवाद की राजनीति पर भाजपा का प्रहार धारदार नहीं रह गया है। बिहार विधानसभा चुनाव के परिप्रेक्ष्य में भारतीय राजनीति का वंशवाद एक बार फिर प्रासंगिक सवाल

बन कर उभरा है। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला एक पूर्व मुख्यमंत्री के सांसद, विधायक एमएलसी और राज्यपाल तक हैं वंशवाद के उत्पाद

बेटे से है। सत्ताधारी दल का उभरता युवा नेता एक पूर्व केंद्रीय मंत्री का बेटा है, जबकि मौजूदा

उपमुख्यमंत्री भी एक पूर्व मंत्री के बेटे हैं। यही सिलसिला पूरे देश में चलता रहता है। भारतीय लोकतंत्र का जमीनी यथार्थ यही है कि विधायकों, सांसदों, मंत्रियों और पार्टी प्रमुखों के बेटे-बेटियाँ, सभी पार्टी में शामिल हो रहे हैं, फिर लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और विधान परिषदों का टिकट पा रहे हैं। भारतीय राजनीति को परिवारवाद ने प्रदूषित करते रख दिया है।



केंद्र की सत्ता में भारतीय जनता पार्टी अपने तीसरे कार्यकाल में है। राज्यों में भाजपा के लगातार बढ़ते प्रभाव के साथ अब 2,078 विधायक भाजपा के हैं। इन 2,078 भाजपा विधायकों में 18.62 प्रतिशत विधायक वंशवाद की उपज हैं। कांग्रेस का हिस्सा तो दुगुना है। लोकसभा में कांग्रेस सांसदों की संख्या घटकर 99 रह गई है। देश के केवल तीन राज्यों में कांग्रेस की सत्ता है, जहां इसके 857

विधायक हैं। इनमें से 33.25 प्रतिशत लोग वंशवाद की पैदाइश हैं। वंशवाद की यह प्रवृत्ति संसद में तीन गांधी परिवार के शीर्ष से शुरू होती है। क्षेत्रीय दलों की बात करें तो यह प्रवृत्ति और भी प्रबल है, जो राज्य स्तर पर पार्टियों के प्रवेश की बाधाओं और राजनीति व संरक्षण के मामले में समान अवसर के अभाव का प्रमाण है। एनडीए में, उसके सहयोगी आंध्र प्रदेश के ►10^{पर}

आसियान सम्मेलन में मोदी-ट्रंप भेंट की संभावना टली

मलेशिया समिट में नहीं जा रहे पीएम मोदी

कुआलालम्पुर (मलेशिया), 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 47वें आसियान शिखर सम्मेलन के लिए कुआलालम्पुर नहीं जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी वर्चुअल माध्यम से समिट में शामिल होंगे। मोदी के मलेशिया न जाने से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ संभावित मुलाकात की संभावना भी खत्म हो गई है। आसियान समिट 26 से 28 अक्टूबर 2025 तक मलेशिया की राजधानी कुआलालम्पुर में हो रहा है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा, हमने इस महीने के अंत में कुआलालम्पुर में होने वाले 47वें आसियान शिखर सम्मेलन के आयोजन पर चर्चा की। इस समय भारत में व्यस्तता के कारण प्रधानमंत्री मोदी वर्चुअली इसमें शामिल होंगे। मलेशियाई पीएम ने कहा, मैं उनके फैसले का सम्मान करता हूं और उन्हें और भारत के सभी लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं देता हूं।

अनवर इब्राहिम ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों पर भी बात की। अनवर ने कहा, कल रात मुझे भारत गणराज्य के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक सहयोगी का फोन आया, जिसमें मलेशिया-भारत द्विपक्षीय संबंधों को और



विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर जाएंगे मलेशिया

अधिक रणनीतिक और व्यापक स्तर तक मजबूत करने के प्रयासों पर चर्चा की गई। फिर प्रधानमंत्री मोदी से भी बात हुई। भारत व्यापार और निवेश के क्षेत्र में मलेशिया का एक महत्वपूर्ण साझेदार है, साथ ही प्रौद्योगिकी, शिक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा के क्षेत्रों में भी करीबी सहयोगी बना हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा, मेरे प्रिय मित्र मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल रूप से शामिल होने और आसियान-भारत की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए उत्सुक हूं।

गौरतलब है कि 47वें आसियान सम्मेलन में भाग लेने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोन-ाल्ड ट्रंप भी मलेशिया जाएंगे। ट्रंप मलेशिया के अलावा दक्षिण कोरिया, जापान की भी यात्रा करेंगे। दक्षिण कोरिया में ट्रंप की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात होगी। ट्रंप ने बुधवार को ही मलेशिया जाने की पुष्टि की और साथ ही बताया कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ होने वाली बैठक को फिलहाल रद्द कर दिया है।

आसियान-भारत के संबंध 1992 में क्षेत्रीय साझेदारी के साथ शुरू हुए। दिसंबर 1995 में यह पूर्ण संधि साझेदारी में बदले और 2002 में शिखर सम्मेलन स्तर की साझेदारी में परिवर्तित हो गए। 2012 में इन संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया। आसियान के 10 सदस्य देश इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, ►10^{पर}

भारत की रक्षा तैयारियों में बड़ी छलांग की तैयारी

79 हजार करोड़ का रक्षा सौदा मंजूर

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश की सुरक्षा क्षमताओं को और अधिक मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने करीब 79 हजार करोड़ रुपये के रक्षा सौदों को मंजूरी दी है। इस निर्णय से थलसेना, नौसेना और वायुसेना की युद्धक क्षमता में जबरदस्त इजाफा होगा। यह मंजूरी आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में भी एक अहम कदम मानी जा रही है। इसमें थलसेना के लिए नाग मिसाइल सिस्टम, नौसेना के लिए लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स और वायुसेना के लिए उन्नत लंबी दूरी की टारगेट प्रणाली शामिल है।

नई दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक में आज हुई अहम बैठक में तीनों सेनाओं की कई परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। इस मंजूरी में भारतीय थलसेना के लिए नाग मिसाइल सिस्टम एमके-2, ग्राउंड बेस्ड मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस सिस्टम और हाई मोबिलिटी व्हीकल्स की खरीद शामिल है। वहीं नौसेना और वायुसेना के लिए भी कई उन्नत हथियार प्रणालियों को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं के लागू होने से भारत की रक्षा तैयारियों में बड़ी छलांग लगने वाली है। थलसेना के लिए स्वीकृत नाग मिसाइल



सेना की तीनों शाखाएं हो रहीं शस्त्र-सुसज्जित

सिस्टम एमके-2 दुश्मन के टैंकों, बंकरों और अन्य किलेबंद ठिकानों को नष्ट करने में सक्षम है। यह मिसाइल सिस्टम ट्रैक वर्जन में होगा, जिसे कठिन इलाकों में भी आसानी से तैनात किया जा सकेगा। ग्राउंड बेस्ड मोबाइल सिस्टम सेना को दुश्मन की रेडियो तरंगों और इलेक्ट्रॉनिक उत्सर्जनों की 24 घंटे निगरानी की क्षमता देगा, जिससे खुफिया जानकारी जुटाने की गति और सटीकता बढ़ेगी। वहीं हाई मोबिलिटी व्हीकल्स से रसद आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा, जिससे सैनिकों तक भारी सामान और उपकरण कठिन भौगोलिक इलाकों में भी पहुंचाए जा सकेंगे।

भारतीय नौसेना के लिए डीएसी ने लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स, 30 मिमी नेवल सरफेस गन, एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो, इलेक्ट्रो-

ऑप्टिकल इंफ्रारेड सर्च एंड ट्रैक सिस्टम और स्मार्ट गोला-बारूद की खरीद को मंजूरी दी है। इन आधुनिक प्रणालियों से नौसेना की उभयचर युद्धक क्षमता और समुद्री निगरानी शक्ति में जबरदस्त सुधार होगा। लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स से नौसेना को थलसेना और वायुसेना के साथ मिलकर उभयचर अभियानों को अंजाम देने में मदद मिलेगी। वहीं, एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो को डीआरडीओ की नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला ने विकसित किया है। ये पारंपरिक, परमाणु और छोटे पनडुब्बियों को निशाना बना सकता है। इसके अलावा 30 मिमी नेवल सरफेस गन से नौसेना और कोस्ट गार्ड को समुद्री डकैती और कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों में मजबूती मिलेगी। ►10^{पर}

इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने किया ऐलान

2027 में अंतरिक्ष जाएगा पहला मानव मिशन

बेंगलूर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।



को विकसित करना पड़ा है। उन्होंने बताया, गगनयान मिशन बहुत अच्छी तरह आगे बढ़ रहा है। इस मिशन के लिए रॉकेट को मानव उड़ान के लिए उपयुक्त बनाना था, ऑर्बिटल मॉड्यूल तैयार करना था और पर्यावरण नियंत्रण व सुरक्षा प्रणाली विकसित करनी थी। इसके अलावा, क्यू एस्कैप सिस्टम, पैराशूट सिस्टम और अन्य मानव-संबंधी तकनीकें भी बनानी पड़ीं। इसरो प्रमुख ने कहा कि अब तीन बिना मानव वाले (अनकूड) मिशनों को पूरा करना बाकी है। इन मिशनों के सफल होने के बाद ही अंतरिक्षयात्रियों को भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले अनकूड मिशन में व्योममित्र नाम की मानवाकृति रोबोट को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा, हम 2027 की शुरुआत में मानव मिशन भेजने का लक्ष्य रख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 24 अगस्त 2025 को इसरो ने गगनयान कार्यक्रम के तहत पहला इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप ►10^{पर}

भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन की तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इसरो के प्रमुख वी. नारायणन ने बताया कि अब तक मिशन से जुड़ा लगभग 90 प्रतिशत विकास कार्य पूरा हो चुका है। नारायणन ने कहा कि गगनयान भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है और इसके लिए कई जटिल तकनीकों को विकसित करना पड़ा है। उन्होंने बताया, गगनयान मिशन बहुत अच्छी तरह आगे बढ़ रहा है। इस मिशन के लिए रॉकेट को मानव उड़ान के लिए उपयुक्त बनाना था, ऑर्बिटल मॉड्यूल तैयार करना था और पर्यावरण नियंत्रण व सुरक्षा प्रणाली विकसित करनी थी। इसके अलावा, क्यू एस्कैप सिस्टम, पैराशूट सिस्टम और अन्य मानव-संबंधी तकनीकें भी बनानी पड़ीं। इसरो प्रमुख ने कहा कि अब तीन बिना मानव वाले (अनकूड) मिशनों को पूरा करना बाकी है। इन मिशनों के सफल होने के बाद ही अंतरिक्षयात्रियों को भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले अनकूड मिशन में व्योममित्र नाम की मानवाकृति रोबोट को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा, हम 2027 की शुरुआत में मानव मिशन भेजने का लक्ष्य रख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 24 अगस्त 2025 को इसरो ने गगनयान कार्यक्रम के तहत पहला इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप ►10^{पर}

बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी बढ़ी

तेजस्वी बने इंडी गठबंधन का सीएम चेहरा

पटना, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

महागठबंधन के सभी घटक दलों ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। सीट बंटवारा अब तक नहीं हुआ है। लेकिन संयुक्त प्रेस वार्ता में सभी दलों ने एकजुट होने का संदेश दिया। साथ ही तेजस्वी यादव को सीएम फेस भी घोषित कर दिया गया। कांग्रेस ने फौरन वीआईपी के मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा, सरकार बनने पर अन्य वर्गों से भी उपमुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। भाकपा माले के वरिष्ठ नेता दीपकर भट्टाचार्य ने कहा, 2020



अभी तक फाइनल नहीं हुआ सीटों का बंटवारा

के विधानसभा चुनाव में कुछ चंद सीटों के कारण हमलोग सरकार नहीं बना पाए। आज फिर से वह समय आया है। नीतीश सरकार ने छात्रों के साथ अन्याय किया। उपर लाठियों बरसाई। महिलाओं

को रोजगार योजना के नाम पर 10 हजार देकर छल किया। पूरे देश में लोगों की आशंका है कि क्या बिहार में महाराष्ट्र चुनाव वाला किस्सा दोहराया जाएगा। लेकिन, हम लोगों को आश्चर्य करते हैं कि बिहार बिल्कुल तैयार है। महागठबंधन के सातों दल पूरी एकता के साथ बदलाव के एजेंडे को पूरा करेंगे। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि इंडी गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में एनडीए को अच्छी टक्कर दी। पिछले चुनाव में महागठबंधन मामूली वोटों के अंतर से पीछे रह गए। एनडीए संवैधानिक संस्थाओं को दुरुपयोग कर खेला करना चाहता है। ►10^{पर}

भारत-ओमान के सेना प्रमुखों की बैठक सम्पन्न

भारत-ओमान के सैन्य रिश्ते और मजबूत हुए

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय सेना और ओमान की रॉयल आर्मी के बीच रक्षा सहयोग और मजबूत हुआ है। नई दिल्ली में 22 से 23 अक्टूबर 2025 तक दोनों देशों के बीच तीसरी आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ टॉक्स (एएएसटी) आयोजित हुई। भारतीय सेना के जन सूचना निदेशालय ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, भारतीय सेना ने रॉयल आर्मी ऑफ ओमान के साथ रक्षा सहयोग को और मजबूत किया है। दोनों सेनाओं के बीच तीसरी आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ टॉक्स नई दिल्ली में 22-23 अक्टूबर को आयोजित हुई। इस बैठक के दौरान दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को और गहरा करने के उपायों पर चर्चा की। इसमें शामिल थे। इसमें संयुक्त सैन्य अभ्यासों का विस्तार, विशेष क्षेत्रों में विशेषज्ञों के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण सहयोग को बढ़ाना और क्षमता विकास और सैन्य शिक्षा में नई साझेदारी के अवसर तलाशना शामिल हैं। यह सभी पहले डिफेंस कोऑपरेशन प्लान 2026 के तहत आगे बढ़ाई जाएंगी। एडीजी पीआई ने कहा कि यह बैठक सैन्य कूटनीति और भारत-ओमान रक्षा सहयोग को नई दिशा देने वाला कदम है। यह सहयोग पिछले वर्ष सितंबर 2024 में आयोजित भारत-ओमान ►10^{पर}



बिहार के चार अपराधी दिल्ली मुठभेड़ में डेर



नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिल्ली और बिहार पुलिस की साझा टीम ने बिहार के चार मोस्ट वांटेड गैंगस्टर को मुठभेड़ में डेर कर दिया। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा और बिहार पुलिस के संयुक्त अभियान में रोहिणी इलाके में हुई मुठभेड़ में चारों अपराधी मारे गए। दिल्ली पुलिस ने बताया कि रात 2.20 बजे चार अपराधियों पुलिस टीम के बीच फायरिंग हुई, जिसमें चारों मारे गए। रोहिणी के बेगमपुर थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में मारे गए अपराधियों का नाम क्रमशः रंजन पाठक (25), बिमलेश महतो (25), मनीष पाठक (33) और अमन ठाकुर (21) है। रंजन पाठक, बिमलेश महतो और मनीष पाठक बिहार में सीतामढ़ी जिले के रहने वाले थे। ►10^{पर}

बिहार में भी बदबू फैला रहा राजनीतिक वंशवाद

लज्जा छोड़, मज्जा ले रहे वंशवादी उत्पाद!

पटना, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बिहार में भी राजनीतिक-वंशवाद फल-फूल रहा है और बदबू फैला रहा है। वंशवादी नेताओं की जमात सारा शर्म त्याग कर केवल लोभ-लाभ-लिप्सा का भोग कर रही है। 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में वंशवादी नेताओं का ही दबदबा रहा। इनमें वंशवादी नेताओं की संख्या 70 यानि 28.81 प्रतिशत थी, जो कुल संख्या का एक-चौथाई से भी ज्यादा है। अब नए विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद वह विधानसभा निर्वर्तमान हो गई। इसमें लालू प्रसाद यादव की पार्टी आरजेडी के 71 में से 30 विधायक वंशवादी उत्पाद हैं। अर्थात्, आरजेडी के कुल 42.25 प्रतिशत विधायक वंशवादी प्रोडक्ट हैं। जदयू के 44 विधायक हैं, जिसमें से 16 वंशवादी प्रोडक्ट हैं। यानि



बिहार की राजनीति में परिवारवाद

जदयू के 36.36 प्रतिशत विधायक वंशवादी उपज हैं। भाजपा के 80 में से 17 विधायक यानि 21.25 प्रतिशत विधायक वंशवाद के उत्पाद हैं। निर्वर्तमान विधानसभा में कांग्रेस के 17 विधायकों में से चार वंशवादी की पैदाइश वाले विधायक हैं। बिहार के 23 मुख्यमंत्रियों में से कम से

कम सात की विरासत निर्वर्तमान विधानसभा में उनके परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों द्वारा आगे बढ़ाई गई है। इनमें लालू प्रसाद-राबड़ी देवी के बेटे, तेजस्वी यादव (नेता प्रतिपक्ष, पूर्व उपमुख्यमंत्री) और तेज प्रताप यादव (पूर्व मंत्री) और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी

की बहू दीपा मांझी शामिल हैं। इस सूची में भाजपा के दो मंत्री नीतीश मिश्रा और अमरेंद्र प्रताप सिंह भी शामिल हैं, जो क्रमशः पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों जगन्नाथ मिश्रा और हरिहर सिंह के पुत्र हैं। निर्वर्तमान विधानसभा के वंशवाद की सूची में जदयू-भाजपा राज्य सरकार के सात अन्य मंत्री हैं। इनमें विजय कुमार चौधरी (जदयू), नितिन नवीन (भाजपा), महेश्वर हजारी (जदयू), शीला कुमारी (जदयू), सुमित कुमार सिंह (जदयू), सुनील कुमार (जदयू) और जयंत राज (जदयू) शामिल हैं। इन नेताओं में करीब 57 विधायक दूसरी पीढ़ी के हैं और तीन विधायक तीसरी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। तीसरी पीढ़ी के वंशवादी नेता भी विधानसभा में हैं। ►10^{पर}

एआईएमआईएम सदस्य ने गौरक्षक को गोली मारी



हैदराबाद, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हैदराबाद में 28 साल के गौरक्षक प्रशांत उर्फ सोनू को एआईएमआईएम के कार्यकर्ता इब्राहिम ने गोली मार दी। प्रशांत को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके लीवर में गोली लगी है, स्थिति चिंताजनक बताई गई है। भाजपा नेता माधवी लता ने दलित युवक प्रशांत को गोली मारने वाले एआईएमआईएम कार्यकर्ता को फौरन गिरफ्तार करने की मांग की है। वाल्मीकि समुदाय के प्रशांत पिछले 5 से 6 सालों से गौरक्षा के कार्य से जुड़े हैं। गायों की तस्करी की जानकारी देने के नाम पर प्रशांत को बुला कर इब्राहिम ने उसे ►10^{पर}



दीपावली आध्यात्मिक जागरण का पर्व है: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर, बेंगलूरु के तत्वावधान में गौतम प्रतिपदा एवं वीर संवत् नूतन वर्ष का मांगलिक आयोजन श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक भावनाओं के साथ संपन्न हुआ।

साध्वी उपासना ने अपने प्रवचन में कहा कि दीपावली का पर्व केवल दीप प्रज्वलन का प्रतीक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक जागरण का पर्व है। यह दिवस भगवान महावीर का स्मरण और पूजन करने के साथ-साथ उनके प्रथम गणधर गौतम स्वामी के केवलज्ञान दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। उन्होंने महावीर की अंतिम देशना के सम्मोहसरण एवं उनके निर्वाण कल्याणक का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा का वह उषाकाल गौतम स्वामी के जीवन का ज्ञानोदय काल बना



और आज ही के दिन उन्हें केवलज्ञान की प्राप्ति हुई थी। भगवान महावीर के प्रति गौतम स्वामी का गहन अनुराग ही वी-तरागत में बाधक था, परंतु जब उन्होंने मोह का त्याग किया, तभी आत्मा के भीतर केवलज्ञान का आलोक प्रकट हुआ। साध्वी ने कहा कि यह पर्व आत्म-परिवर्तन और भाव-शुद्धि का संदेश देता

है। हमे गौतम स्वामी की भांति अपने जीवन से मोह, राग-द्वेष और अज्ञान को मिटाकर ज्ञान के आलोक से स्वयं को प्रकाशित करना चाहिए।

साध्वी निर्मला ने वीर निर्वाण संवत् 2552 के प्रारम्भ अवसर पर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को नूतन वर्ष की मंगलकामनाएँ देते हुए कहा आप सभी स्वस्थ रहें, प्रसन्न

रहें, सुख, शांति, सौभाग्य, समृद्धि और खुशहाली आपश्री के जीवन में निरंतर बनी रहे। इस अवसर पर गौतम स्वामी केवलज्ञान महोत्सव एवं वीर संवत् नूतन वर्ष के उपलक्ष्य में सभी महासती द्वारा 5 मांगलिकों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रवचन पश्चात जैन कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष

प्रकाश बुरड़ के नेतृत्व में राष्ट्रीय वैवाचक महामंत्री रतनचंद सिंघी, राष्ट्रीय मंत्री कन्हैयालाल सुराणा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना, महामंत्री नेमीचन्द दलाल, उपाध्यक्ष किशोर दलाल, जसवंत गन्ना, कोषाध्यक्ष पुखराज आंचलिया, उत्तमचंद आछा, गणेशमल गुगलिया, नेमीचंद बाबेल सहित अन्य कॉन्फ्रेंस सदस्यों ने साध्वीवृंद के दर्शन एवं मांगलिक का लाभ लिया। संघ उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, सहमंत्री राकेश दलाल, समस्त कार्यकारिणी, त्रिशला महिला मंडल मंत्री रेखा पोखरना, त्रिशला बहु मंडल अध्यक्ष नीतू लुंकड़, राजाजीनगर युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, ब्राह्मी कन्या मंडल, जिनेश्वर युवा टीम व समस्त पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्यों की उपस्थिति रही। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया। आभार संघ अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया ने दिया।

संयम के बिना जीवन दिशाहीन हो जाता है : साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विल्सनगार्डन जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्री ने कहा कि जीवन में जितना अधिक संयम होगा, उतनी ही आत्मा उज्ज्वल बनेगी। संयम के बिना जीवन दिशाहीन हो जाता है। सच्चा धर्म हमारे विचारों और व्यवहार में निहित है। उन्होंने कहा कि कार्तिक अमावस्या दीपावली पर भगवान महा-वीरस्वामी ने सकल कार्य सिद्ध करके शाश्वत अव्याबाध सुख, मोक्ष को प्राप्त किया था। जब भगवान ने कर्मबंधन के सभी बंधनों को काटकर आत्मा के शुद्ध स्वरूप में स्थित होकर निर्वाण प्राप्त किया, तब समस्त लोक उनके प्रकाश से आलोकित हो उठा। इसी कारण दीपावली को मोक्ष महापर्व भी कहा जाता है। प्रभु महावीर का निर्वाण समस्त मानवजाति के लिए मार्गदर्शन है। प्रत्येक आत्मा में परमात्मत्व की असीम संभावनाएँ निहित हैं। यदि मनुष्य अपने भीतर के अंधकार



क्रोध, मान, माया, लोभ को मिटा दे, तो वह भी मोक्ष मार्ग प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि उत्तराध्ययन सूत्र भगवान महावीर का अंतिम उपदेश है, जो 36 अध्यायों में जीवन के प्रत्येक आयाम का आध्यात्मिक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। आत्म-शुद्धि, संयम, करुणा और विवेक पर प्रकाश डाला गया है।

साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि जब हम करुणा से व्यवहार करते हैं, तभी हमारा आत्मबल बढ़ता है। असत्य बोलना या छल करना आत्मा को मलिन करता है। सत्य ही ज्ञान और मोक्ष का सेतु है। जिनवाणी ही आत्मा को मोक्षद्वार

तक ले जाती है। हमें अपने लक्ष्य के प्रति निष्ठावान रहना चाहिए, तभी सफलता प्राप्त होगी।

प्रचार प्रसार मंत्री प्रकाशचंद बाफना ने जानकारी दी कि आगामी 26 अक्टूबर को कर्नाटक गजकेसरी गणेशलालमुनि एवं जैन दिवाकर चौथमलमुनि की जन्म जयंती मनायी जाएगी। संघ के चेयरमैन मिटालाल मकाणा ने स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने आभार व्यक्त किया। मंत्री सज्जनराज बोहरा ने संचालन किया। विल्सनगार्डन जैन युवा संगठन, राजल महिला मंडल एवं प्रेरणा बहु मंडल की उपस्थिति रही।

त्योहारों का मुख्य उद्देश्य आत्मा की शुद्धि, धर्म का पालन और अहिंसा के मार्ग पर चलना : साध्वी

दावणगेर/शुभ लाभ ब्यूरो।

दावणगेरे स्थित श्री सौधर्म बृहतपोगच्छीय शंखेश्वर पार्थ राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणाजी ने कहा कि भाई बीज (या भाई दूज) एक पारिवारिक त्योहार है। लेकिन जैन धर्म में भी पारिवारिक संबंधों और आपसी स्नेह को महत्व दिया जाता है, इसलिए भाई-बहन के रिश्ते को सम्मान देने के संदर्भ में इसे सांस्कृतिक रूप से मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म में त्योहारों का मुख्य उद्देश्य आत्मा की शुद्धि, धर्म का पालन और अहिंसा के मार्ग पर चलना है। इसलिए, अगर भाई बीज मनाई



जाती है, तो यह पारिवारिक प्रेम और सम्मान का प्रतीक होता है। जैन धर्म में सभी रिश्तों में अहिंसा समानता और स्नेह की भावना को बढ़ावा दिया जाता है। भाई-बहन का रिश्ता भी आपसी प्रेम और त्याग पर आधारित होना चाहिए। भाई-बहन को एक-दूसरे को धर्म के मार्ग पर चलने और पुण्य

अर्जित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। सांसारिक रिश्तों को मोक्ष प्राप्ति के उद्देश्य बनाना चाहिए। भाई बीज के अवसर पर भाई-बहन एक-दूसरे के प्रति स्नेह और आभार व्यक्त करते हैं। यह दिन सामाजिक और पारिवारिक बंधन को मजबूत करने का अवसर है। भाई-बहन का

रिश्ता भी सांसारिक मोह-माया से मुक्त होकर धर्म और आत्मा की प्रगति पर आधारित होना चाहिए। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि बाहुबली को उपदेश देने भगवान रिषभदेव ने बहन बाह्मी सुंदरी को भेजा। श्री शंखेश्वर पार्थ राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पुनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद के सानिध्य में विविध प्रकार के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। राजू भंडारी ने कहा कि दावणगेरे के इतिहास में प्रथम बार पगलिया के साथ साधर्मिक भक्ति का आयोजन हो रहा है। श्री शंखेश्वर पार्थ राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जहां प्रेम नहीं वहां सब बेकार: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि आज पंच दिवसीय पर्व का अंतिम दिवस है। अंतिम दिवस को भाई दूज बोलते हैं। यह भाई बहन के प्यार का प्रतीक है। बहन भाई के आपस में प्रेम वास्तव्य का यह त्योंहार है।

जब प्रभु महावीर मोक्ष में पधारे तो उनके भाई नंदी वर्धन को बहुत तकलीफ हुआ। संसारी आत्मा को कभी कभी राग होता है। जब कोई प्रिय चल जाता है तो बहुत तकलीफ होती है। नंदी वर्धन को भाई के जाने का दुख हुआ तो उन्होंने भोजन भी नहीं किया।



भगवान महावीर प्रभु के जाने से बहुत दुखी हुए। दो दिन बाद उनकी बहन सुदर्शना ने भाई को समझाया। तब उन्होंने कहा कि भाई चला गया और बहन भी समुराल चली गई। अब खुद को कैसे समझाऊं। महावीर भगवान निर्वाण हो गए अब उनको कहां से लाऊं। नंदी वर्धन ने कहा कि भगवान ने अपना कल्याण कर

लिया। अब मेरा क्या होगा। उसके बाद उनकी बहन ने उनको उसी मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। एक समय था जब भाई भाई को अच्छा लगता था। लेकिन अब ऐसा मामला नहीं बचा है। लेकिन ये पर्व मनुष्य को प्रेम का संदेश देता है। जहां प्रेम है वहां सब है। जहां प्रेम नहीं वहां कुछ भी नहीं है। आज के समय में घर में 10

लोग रहते हैं लेकिन आपस में बात भी नहीं होती है। ऐसा परिवार बन गया है जहां सिर्फ नाम के लोग रहते हैं। लेकिन याद रखो एक प्रेम नंदी वर्धन का प्रभु महावीर के लिए था। जिनके जाने से वे बहुत दुखी हुए। प्रेम है तो सब सही है, लेकिन प्रेम नहीं है तो कुछ भी नहीं है। ढाई अक्षर प्रेम का पढ़े जो पंडित होय। आज के दिन प्रत्येक बहन अपने भाई के लिए अच्छी कामना करती है। यह प्रेम का त्योहार मानव को आत्मीयता रखना सिखाता है। धन है या नहीं है, लेकिन प्रेम है तो सब सही है। जहां लाख धन हो अगर प्रेम नहीं है तो सब बेकार है। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

आचार्य तुलसी का 112वां जन्म दिवस मनाया



बेंगलूरु / शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर में स्थित तेरापथ भवन, राजराजेश्वरी नगर में युगप्रधान आचार्य महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी पुण्यशशाजी के सानिध्य में आचार्य तुलसी का 112वां जन्म दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय तेरापथ युवक परिषद के

नव-मनोनित राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोट, संगठन मंत्री रोहित कोठारी एवं राष्ट्रीय संगठन से जुड़े सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों को परिषद द्वारा जैन पट से सम्मानित किया गया। मंगलाचरण पिस्ता देवी श्रीश्रीमल द्वारा किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय तेरापथ

महिला मंडल क्षेत्रीय संयोजिका चुने जाने पर रुचिका पटवारी का तेयुप द्वारा जैन पट से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में तेरापथ सभा, महिला मंडल, युवक परिषद एवं श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति रही। संचालन युवक परिषद मंत्री संदीप बैद एवं आभार विपुल पितलिया ने किया।

रिश्तों को कभी धन बल या पद प्रतिष्ठा की तराजू पर नहीं तोलना चाहिए : साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर में स्थित श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में आयोजित प्रवचन में भाई दूज प्रसंग पर साध्वी श्री इंदुप्रभाजी ने कहा कि दूज विकास और वृद्धि की परिचायक होती है। आज संबंधों में आत्मीयता और संवेदनाएं घटती जा रही हैं। ऐसे में ये पर्व रिश्तों में ताजगी और कर्तव्य वान कराने के लिए आते हैं। रिश्तों को कभी धन बल या पद प्रतिष्ठा की तराजू पर नहीं तोलना चाहिए। रिश्ते तो एक दूसरे को संभालने और सहलाने के लिए होते हैं। रिश्तों में उमंग उत्साह, स्नेह, आनंद और हर्ष भाव दिखने चाहिए।

इसी प्रसंग पर साध्वी श्री वृद्धिप्रभाजी ने कहा कि प्रभु महावीर के निर्वाण होने पर भाई नंदीवर्धन शोक मग्न हो गए थे। तब बहन सुदर्शना ने भाई को बोध देकर शोक मुक्त किया कि अपना भाई तो श्रेष्ठ मृत्यु निर्वाण को प्राप्त हुआ है जिसका जश्र देवता भी मनाते हैं। हम भी आपस के किसी भी विवाद या भेदभाव को भूलकर समाज के प्रत्येक घटक को भाई बहन समझ कर उनका दुख दर्द दूर करने का प्रयास करें और प्रयास भी ऐसा होना चाहिए कि किसी के आत्मसम्मान को चोट नही पहुंचे और वह आत्मनिर्भर भी हो जाए। इस से पूर्व नव वर्ष प्रसंग पर उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन संपन्न हुआ। प्रभु के निर्वाण और गौतम गणधर के विरह का वर्णन हुआ और प्रभु की अंतिम देशना का महत्व बताया गया। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने नव वर्ष की पांच मांगलिक का लाभ लिया।

संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए संघ सदस्यों को नववर्ष की बधाई दी। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभाजी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

चादर महोत्सव में पधारने हेतु गुरुवर्या से विनती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ समुदाय के प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सूरिधर के 871 वर्ष पुराने अग्रिसंस्कार में नहीं जलने वाले चादर, चोलपट्टा और मुंहपती का चादर महोत्सव 6 से 8 मार्च 2026 को स्वर्ण नगरी जैसलमेर में आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर के जैसलमेर चादर महोत्सव के वृहत् आयोजन में पदार्पण की विनती लेकर चादर महोत्सव आयोजन समिति के सदस्य गुणायाजी में श्री चन्दनाजी म. सा. (वीरायतन) की सुशिष्या श्री यशाजी म. सा. की निश्रा में पहुंचे। श्री यशा जी म.सा. ने कहा कि चादर महोत्सव प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सूरिधर के प्रति श्रद्धा रखने वाले सभी जैन व अजैन श्रद्धालुओं का संयुक्त आयोजन है। यह दादा गुरुदेव का ही प्रभाव है कि आज उनके देवलोक के 871 वर्ष पश्चात भी गुरुदेव जनमानस में समाहित है।



चादर महोत्सव आयोजन समिति के संयोजक तेजराज गुलेच्छा ने कहा कि चादर महोत्सव को हम सभी गुरु भक्तों को उत्सव के रूप में मनाना है। महोत्सव का उद्देश्य विश्व शांति के लिए प्रयास करना है। चादर समिति के वित्त संयोजक कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि इसमें देशभर में फैले करीब 30 हजार से अधिक भक्त खरतर-गच्छाधिपति आचार्य श्री जिन मणिप्रभ सूरिधरजी म.सा. की निश्रा में आगामी 6 से 8 मार्च को जैसलमेर में महोत्सव में भाग लेने की सम्भावना है। समिति के ललित डाकलिया ने बताया कि

चादर महोत्सव के लिए पूरे देशभर में उत्साह का माहौल है और इसमें आने वाले श्रद्धालुओं को जैसलमेर में स्थित प्राचीन जैन ज्ञान भंडार, लोदवा पार्श्वनाथ तीर्थ, अमर सागर तीर्थ, ब्रह्मासर तीर्थ के दर्शन वंदन का लाभ भी मिल सकेगा। इस अवसर पर जल मन्दिर, पावापुरी एवं गुणाया जी तीर्थ के श्री भण्डार तीर्थ के ट्रस्टी एवं अनेक सदस्यों के साथ चैनराज छाजेड़, अशोक भूट और महावीर मेहता उपस्थित थे। तीर्थ के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को भी चादर महोत्सव में पधारने की विनती की गई।

मनोभावों को प्रभावित करने में चित्रों की अहम भूमिका: आचार्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

माधवनगर जैन संघ द्वारा बेंगलूरु में भगवान महावीरस्वामी के निर्वाण कल्याणक के उपलक्ष्य में आयोजित चित्र प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर प्रवचन के दौरान आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरिधरजी ने कहा कि शब्द की तरह चित्र का भी मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। सकारात्मक संदेशयुक्त चित्र व्यक्ति को सत्कार्य की प्रेरणा देते हैं। आज सोशल

मीडिया के युग में चारों ओर हिंसा, अश्लीलता और अपराध के दृश्यों की भरमार ने लोगों के मनोभावों और व्यवहार में विपरीत परिवर्तन लाने में अहम भूमिका निभाई है। ऐसे परिप्रेक्ष्य में यह अत्यंत आवश्यक है कि महापुरुषों के जीवन चरित्र से लोगों को चित्रों के माध्यम से रूबरू कराया जाए। जिससे उन्हें गुणों और संस्कारों की प्रेरणा मिले। प्रदर्शनी के आयोजक श्री



वासुपूज्य संस्कार वाटिका के सदस्य अहम वेदमुथा ने बताया कि प्रदर्शनी के चित्र भगवान महावीरस्वामी के जीवन को जानने में बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी के लिए सरल एवं प्रभावशाली माध्यम साबित हो रहे हैं। संस्कार वाटिका के ही विद्यार्थी आंगुलुक दर्शकों को चित्रों के बारे में समझा रहे हैं। प्रदर्शनी देखने के बाद आदित्य जैन ने कहा कि भगवान महावीरस्वामी के जीवन से जुड़ी

अनेक घटनाओं को समझने में प्रदर्शनी का यह रचनात्मक प्रयास ज्ञानवर्धक भी है। वर्तमान समय में जब बच्चों और युवाओं को जीवनदिशा देने वाले माध्यमों की कमी है ऐसे में आदर्श महापुरुषों के जीवन चरित्र उनके लिए सकारात्मक परिवर्तन लाने में उपयोगी बनेंगे। इससे पूर्व राज्यसभा सदस्य लहर सिंह सिरोंया ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। संघ के सदस्य प्रवीण

चौहान ने बताया कि प्रदर्शनी सोमवार तक रहेगी। 23 नवंबर को अचार्यश्री की निश्रा में मुन्बई के मुमुक्षु भव्य शाह की होने वाली दीक्षा की आमंत्रण पत्रिका लिखी गई और मुमुक्षु के पिता निर्मल शाह ने तीन दिवसीय दीक्षा उत्सव के कार्यक्रमों में सकल संघ को आमंत्रित किया। इस अवसर पर उपस्थित बेंगलौर के अनेक संघों के पदाधिकारियों ने दीक्षार्थी को मंगलकामना प्रेषित की।



वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच बंद हुए बाबा केदार व मां यमुनोत्री धाम के कपाट

देहरादून, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हिमालय पर्वत की श्रृंखलाओं में बसे देवभूमि उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद अंतर्गत, मां यमुनोत्री मंदिर और जनपद रुद्रप्रयाग में भगवान शिव के ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग बाबा श्री केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए गुरुवार को बन्द हो गए।

हिन्दू पंचांग गणना के अनुरूप भैया दूज, कार्तिक शुक्ल सप्तमी, अनुराधा नक्षत्र के पावन अवसर पर, वैदिक मंत्रोच्चारण और सेना के वाद्य यंत्रों की भक्तिपूर्ण मधुर धुनों के बीच इन दोनों पवित्र धामों के कपाट बंदी की प्रक्रिया संपन्न हुई।

पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस अवसर पर यमुनोत्री धाम से सम्बद्ध पंडा पुरोहितों, के अलावा, कुल 132 भक्त कपाट बन्द होने की प्रक्रिया के साक्षी रहे। यहां इस यात्रा वर्ष में कुल 6 लाख, 44 हजार 637 श्रद्धालुओं ने माता यमुना जी के दर्शन किए हैं। जबकि भगवान श्री केदार नाथ मंदिर में आज कुल 11,415 पंजीकृत श्रद्धालु कपाट क्रिया के दौरान उपस्थित रहे। अभी तक सम्पूर्ण यात्रा काल में यहां कुल 17 लाख 68 हजार 795 पंजीकृत भक्त कपाट खुलने के बाद से दर्शन कर चुके हैं। अब इन दोनों के दर्शन उनके



शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली और ओंकारेश्वर मंदिरों में हो सकेंगे। यहां भी उनके दर्शनों की मान्यता ग्रीष्मकालीन दर्शनों की भांति ही है।

यमुनोत्री धाम के कपाट आज विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य शीतकाल के लिए बन्द कर हो गये। कपाट बंदी प्रक्रिया अपराह्न 12 बजकर 30 मिनट पर सम्पूर्ण हुई। कपाट बंद होने की परंपरा के अनुसार, खरसाली गाँव से समेश्वर देवता (शनिदेव) की डोली मां यमुना को लेने धाम पहुंची। कपाट बंद होने के बाद शनिदेव की अनुवाई में मां यमुना की भोग मूर्ति और उत्सव डोली, ढोल नगाड़ों और शंखनाद के बीच शीतकालीन प्रवास खरसाली गद्दीस्थल मंदिर के लिए रवाना की गयी। इससे पहले सुबह ग्यारहवें

ज्योतिर्लिंग बाबा श्री केदार नाथ धाम के कपाट भी प्रातः 08:30 बजे विधिवत रूप से बंद हो गए। इस अवसर पर आम पंजीकृत 11,415 श्रद्धालुओं के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी इस प्रक्रिया के साक्षी रहे। कपाट बंद होने से पूर्व मंदिर को पुष्पों से भव्य रूप में सजाया गया। सेना के बैंड की भक्ति धुनों और 'जय बाबा केदार' के जयघोष के साथ मंदिर परिसर श्रद्धाभाव से गुंज उठा।

कपाट बंद करने की प्रक्रिया के अंतर्गत, ब्रह्म मुहूर्त में मुख्य पुजारी बागेश लिंग एवं आचार्यगणों द्वारा यज्ञ, हवन एवं समाधि पूजन किया गया। तत्-पश्चात भगवान केदारनाथ के स्वयंभू शिवलिंग को स्थानीय पुष्पों-कुमआ, बुकला, राख, ब्रह्म कमल, सूखे पुष्प-पत्रों से

ढककर समाधि रूप दिया गया। इसके बाद गर्भगृह के द्वार 'जय बाबा केदार' के उद्घोष के साथ शीतकाल को बंद किए गए। कपाट बंद होने के पश्चात, मुख्यमंत्री श्री धामी की उपस्थिति में मंदिर के पूर्वी व दक्षिणी द्वार विधिवत बंद किए गए। इसके उपरांत, भगवान केदारनाथ की पंचमुखी उत्सव डोली को मंदिर की परिक्रमा कर, प्रथम पड़ाव रामपुर के लिए प्रस्थान कराया गया। सेना के बैंड, डोली वाहकों, पुजारियों और श्रद्धालुओं के जयघोषों से संपूर्ण धाम गुंजायमान हो उठा।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर देश-विदेश से आए सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी विजन के अनुरूप केदारपुरी का भव्य और

दिव्य पुनर्निर्माण कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में चारधाम यात्रा के अंतर्गत, रिकॉर्ड 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने धामों के दर्शन किए हैं। उन्होंने कहा कि कपाट बंद होने के पश्चात शीतकालीन यात्रा को भी राज्य सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु चार धामों के शीतकालीन गद्दी स्थलों में भी पूजा अर्चना कर सकें। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से शीतकाल में भी चारों धामों के गद्दी स्थलों में आकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया। शीतकाल में भी श्रद्धालुओं के यात्रा करने से स्थानीय व्यापारियों, होमस्टे एवं होटल चालकों आदि की आजीविका निरंतर गतिमान रहेगी।

श्री धामी ने यात्रा से जुड़े सभी विभागों, सुरक्षा बलों, मंदिर समिति, स्थानीय नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया तथा इस वर्ष की यात्रा को सफल, सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाए रखने के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष केदारनाथ यात्रा का संचालन अत्यंत सुचारु एवं सफलतापूर्वक हुआ। उन्होंने कहा कि इस वर्ष कुल 17,68,795 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए, जो पिछले वर्ष 2024 के

16,52,076 तीर्थयात्रियों की तुलना में लगभग सवा लाख अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रा के दौरान प्राकृतिक आपदा को छोड़कर संपूर्ण यात्रा अवधि में व्यवस्थाएं सुचारु रहीं। शीतकालीन अवधि में भी श्री केदारनाथ धाम में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रहेगी और शीतकालीन पूजाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। कपाट बंद होने के पश्चात बाबा केदार की पंचमुखी उत्सव डोली आज प्रस्थान कर प्रथम पड़ाव रामपुर में रात्रि विश्राम के लिए पहुंच गई।

अब कल शुक्रवार सुबह को डोली श्री विश्वनाथ मंदिर, गुप्तकाशी पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम के पश्चात शनिवार, 25 अक्टूबर को शीतकालीन गद्दीस्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ के लिए प्रस्थान करेगी। कपाट बंद समारोह के अवसर पर स्थानीय विधायक आशा नौटियाल, जिला पंचायत अध्यक्ष, रुद्रप्रयाग पूनम कठैत, बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत भूषण भट्ट, कृषि विपणन बोर्ड अध्यक्ष अनिल डब्बू, बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, जिलाधिकारी प्रतीक जैन, पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रह्लाद कोईं, एवं अन्य लोग भी मौजूद थे।

नगरोटा विधानसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला

जीतने की जद्दोजहद में केंद्रीय मंत्री की भतीजी

जम्मू, 23 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू संभाग की जिस नगरोटा विधानसभा सीट पर 11 नवंबर को उप चुनाव होना है वहां पर पूर्व दिवंगत विधायक देवेंद्र राणा की बेटी और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह की भतीजी देवयानी राणा की इज्जत दांव पर है। देवयानी राणा इस विधानसभा क्षेत्र में अपने दिवंगत विधायक पिता की थाती संभालने के प्रयास में हैं।

नगरोटा विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव 11 नवंबर को होना है। इस सीट पर 10 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। सभी उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। राजनीतिक दल मतदाताओं को अपने पक्ष में करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। नगर-ोटा विधानसभा क्षेत्र के रितर्निंग अधिकारी को कुल 13 नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें से जांच के दौरान दो निर्दलीय उम्मीदवारों

नजाकत अली खटाना और हरबंस लाल भगत के नामांकन पत्र खारिज हो गए। जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार देवयानी सिंह राणा का एक डुप्लिकेट नामांकन पत्र भी खारिज कर दिया गया, जबकि उनका मूल नामांकन पत्र स्वीकार कर लिया गया।

अब, अगर शुक्रवार शाम तक कोई भी उम्मीदवार अपना नामांकन वापस नहीं लेता है, तो कुल 10 उम्मीदवार इस हाई प्रोफाइल सीट पर चुनाव लड़ेंगे। नगरोटा से भाजपा उम्मीदवार देवेंद्र सिंह राणा ने 2024 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी, लेकिन 31 अक्टूबर 2024 को उनके निधन के बाद यह सीट खाली हो गई। भाजपा ने दिवंगत विधायक राणा की 30 वर्षीय बेटी देवयानी सिंह राणा को उम्मीदवार बनाया है, जो पहली बार चुनावी मैदान में उतरी हैं। देवयानी ने

कई बार कहा है कि नगरोटा के लोगों के साथ खड़े होना उनके पिता की अंतिम इच्छा थी, जिसके कारण वह सक्रिय राजनीति में उतरीं हैं।

अपने पिता की विरासत, पार्टी के समर्थन और भावनात्मक दृष्टिकोण के कारण इस सीट पर देवयानी राणा की स्थिति मजबूत दिख रही है, लेकिन नेशनल कांफ्रेंस की शमीमा बेगम से कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। शमीमा बेगम नगरोटा विधानसभा क्षेत्र में पड़ने वाले क्षेत्र डंसाल से जिला विकास पार्सद (डीडीसी) हैं। इसके अलावा नेशनल पैंथर्स पार्टी (इंडिया) के उम्मीदवार हर्ष देव सिंह से चुनावी पेश कर रहे हैं, जो पूर्व मंत्री हैं और भाजपा और उसकी नीतियों के आलोचक हैं।

आम आदमी पार्टी (आपा) ने भी इस सीट से अपने उम्मीदवार जोगिंद्र सिंह को

मैदान में उतारा है, लेकिन पार्टी की इस क्षेत्र में ज्यादा उपस्थिति नहीं दिख रही है। साथ ही आप के प्रदेश संयोजक मेहराज मलिक पार्टी उम्मीदवार के लिए प्रचार नहीं कर पाएंगे, क्योंकि वह अभी भी सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत जेल में हैं, इसलिए आप की तरफ से इस सीट पर कोई प्रभाव डालने की संभावना कम हो गई है।

नगरोटा सीट पर सबसे ज्यादा चर्चा निर्दलीय उम्मीदवार अनिल शर्मा की है, जो भाजपा नेता थे और देवयानी राणा को टिकट देने के पार्टी के फैसले को स्वीकार नहीं किया और निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

भले ही वह यह सीट न जीत पाएं, लेकिन जो भी वोट उन्हें मिलेंगे, वे भाजपा से करेंगे। इसलिए वह भाजपा की वोट में सेंध लगा सकते हैं।

शहरी नक्सलवाद एक बड़ी चुनौती : फडणवीस

नागपुर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शहरी नक्सलवाद को सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताते हुए चेतावनी दी कि इस तरह के आंदोलन युवा पीढ़ी को अराजक विचारधाराओं की ओर मोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। श्री फडणवीस ने दिवाली के अवसर पर नागपुर में पत्रकारों से एक अनौपचारिक बातचीत में कहा कि महाराष्ट्र और पड़ोसी छत्तीसगढ़ में सशस्त्र नक्सलवाद की समस्या पर बहुत हद तक नियंत्रण पा लिया गया है। लेकिन शहरी नक्सलवाद का उभार एक नया और अधिक खतरा पैदा कर रहा है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने शहरी नक्सलियों का एक चेहरा नहीं होने की बात करते हुए उसे खतरनाक विचार फैलाने वाला आंदोलन बताया। उन्होंने कहा कि शहरी नक्सलियों का कोई एक चेहरा नहीं होता। वे विभिन्न रूपों में काम करते हुए खतरनाक विचार फैलाते हैं और युवाओं को गुमराह करने का काम करते हैं। श्री फडणवीस का मानना है कि शहरी नक्सली आज की पीढ़ी को अराजकता की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने पारंपरिक बंदूक-आधारित नक्सलवाद के विपरीत शहरी नक्सलवाद को उसके छिपे हुए और वैचारिक स्वरूप के कारण पहचानना अधिक मुश्किल बताया। श्री फडणवीस ने इन समूहों पर संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता के विश्वास को कम करने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया। हालांकि उन्होंने सरकार की इनसे निपटने की क्षमता पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, संविधान अंततः इन अराजक प्रवृत्तियों को परास्त करेगा।

श्री फडणवीस ने महाराष्ट्र में जाति-आधारित राजनीति में वृद्धि पर एक सवाल के जवाब में बताया कि यह मुख्य रूप से चुनावों के दौरान राजनीतिक नेताओं द्वारा संचालित होता है। उन्होंने कहा कि जहां हर किसी के सामाजिक और जाति-संबंधी मुद्दे होते हैं, वहीं राजनीतिक नेताओं के कारण इनकी तीव्रता बढ़ जाती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार सभी को न्याय दिलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने चुनाव खत्म होते ही जाति-आधारित राजनीति के स्वतः कम होने का विश्वास जताया।

नौसेना ने अपने दम-खम से पाकिस्तानी युद्धपोतों को उसके तटीय क्षेत्रों से आगे नहीं बढ़ने दिया : राजनाथ

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नौसेना की तैयारियों, पेशेवर क्षमता और ताकत की सराहना करते हुए गुरुवार को कहा कि भारतीय नौसेना के दम-खम के कारण पाकिस्तानी नौसेना के युद्धपोत उसके तटीय क्षेत्रों से आगे नहीं बढ़ पाये।

श्री सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और क्षमता का प्रतीक बताते हुए जोर देकर कहा कि यह दुनिया के लिए संदेश है कि भारत किसी भी तरह की चुनौती का जवाब देने के लिए हमेशा तैयार है। रक्षा मंत्री ने यहां नौसेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान दुनिया ने नौसेना की संचालन तत्परता, पेशेवर क्षमता और ताकत देखी। उन्होंने पाकिस्तान के युद्धपोतों को बंदरगाह या उसके तट के पास ही रहने के लिए मजबूर करने वाली प्रतिरोधक स्थिति बनाने के लिए नौसेना की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि

हिन्द महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारतीय नौसेना की उपस्थिति 'मित्र देशों के लिए राहत' और 'क्षेत्र को अस्थिर करने की कोशिश करने वालों के लिए बेचैनी' का सबब है।

श्री सिंह ने कहा, आईओआर समकालीन भू-राजनीति का केंद्र बन गया है। यह अब निष्क्रिय नहीं रहा, यह प्रतिस्पर्धा और सहयोग का क्षेत्र बन गया है।

भारतीय नौसेना ने अपनी बहुआयामी क्षमताओं से इस क्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका निभाई है। पिछले छह महीनों में भारतीय युद्धपोतों, पनडुब्बियों और नौसेना के विमानों को अभूतपूर्व पैमाने पर तैनात किया गया है। इसके अलावा, हमारी नौसेना ने लगभग 335 व्यापारी जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया है, जो लगभग 12 लाख टन माल और 5.6 अरब डॉलर के व्यापार मूल्य के बराबर है। यह इस बात का प्रमाण है कि भारत अब वैश्विक समुद्री अर्थव्यवस्था में एक विश्वसनीय और सक्षम भागीदार बन गया है।

प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक एकनाथ वसंत चिटनिस का निधन

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रख्यात भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक एकनाथ वसंत चिटनिस का बुधवार को पुणे स्थित उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 100 वर्ष के थे। भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में मशहूर चिटनिस ने भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (आईएन-सी/एएसपी/आर) की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की, जो बाद में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के रूप में विकसित हुई। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर श्री चिटनिस को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें, 'हमारे अंतरिक्ष अभियान के प्रतीक पुरुषों में से एक' बताया है। श्री रमेश ने 10 फरवरी, 1962 की उस ऐतिहासिक मुलाकात को याद किया, जब श्री चिटनिस, इसरो के जनक विक्रम साराभाई के साथ अहमदाबाद स्थित भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला में तत्कालीन प्रधानमंत्री



जवाहरलाल नेहरू से मिलने गए थे और उस क्षण ने भारत के अंतरिक्ष सपनों को आकार देने में एक ऐतिहासिक भूमिका निभाई। श्री चिटनिस की विरासत समृद्ध और बहुआयामी है। उन्होंने भारत के पहले रॉकेट के प्रक्षेपण स्थल के रूप में केरल के थुम्बा को चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह निर्णय देश की अंतरिक्ष यात्रा को गति देने में निर्णायक साबित हुआ। श्री चिटनिस ने सन् 1981 से 1985 तक अहमदाबाद स्थित इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी) के निदेशक के रूप में सुदूर संवेदन, उपग्रह संचार और ऐतिहासिक भारतीय अंतरिक्ष यात्रा (आईएनएसएटी) कार्यक्रम में महत्वपूर्ण परियोजनाओं को आगे बढ़ाया।

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने खरीद प्रक्रिया को सरल बनाने और कार्य प्रणाली में एकरूपता लाने के लिए नयी रक्षा खरीद नियमावली 2025 गुरुवार को जारी कर दी। रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि नई नियमावली प्रक्रियाओं को सरल बनाने के साथ-साथ कार्यप्रणाली में एकरूपता लाएगी और सशस्त्र बलों को संचालन संबंधी तैयारियों के लिए आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति में मदद करेगी। यह नियमावली आगामी एक नवम्बर से लागू होगी और इससे तीनों सेनाओं तथा रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले अन्य प्रतिष्ठानों द्वारा की जाने वाली लाभगम एक लाख करोड़ रुपये की राजस्व खरीद को सुगम बनाएगी।

रक्षा मंत्री ने नियमावली में संशोधन के लिए रक्षा मंत्रालय और एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे रक्षा



विनिर्माण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एमएसएमई और स्टार्ट-अप को और अधिक अवसर मिलेंगे जिससे खरीद में निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। वित्तीय सलाहकार (रक्षा सेवाएं) डॉ. मयंक शर्मा ने इस अवसर पर रक्षा उत्पाद प्रबंधन (डीपीएम) 2025 का संक्षिप्त विवरण दिया और कहा कि इस नियमावली को तीनों सेनाओं तथा अन्य हितधारकों के साथ गहन परामर्श के बाद तैयार किया गया है।

वक्तव्य में कहा गया है कि इससे निर्णय लेने में तेजी और व्यापार में आसानी को बढ़ावा देने के लिए कुछ प्रमुख प्रावधानों में बदलाव किया गया है। सामग्री और सेवाओं की देरी से डिलीवरी

पर लगाए जाने वाले परिसमाप्त क्षतिपूर्ति (एलडी) में ढील दी गई है और केवल अत्यधिक देरी के मामलों में ही अधिकतम 10 प्रतिशत क्षतिपूर्ति का प्रावधान किया गया है। स्वदेशीकरण के मामले में इस प्रावधान में और ढील दी गई है, जहां अन्य मामलों में लागू 0.5 प्रतिशत प्रति सप्ताह के बजाय केवल 0.1 प्रतिशत एलडी प्रति सप्ताह लगाया जाएगा।

इसके अतिरिक्त स्वदेशीकरण के अंतर्गत सार्वजनिक अथवा निजी कंपनियों द्वारा विकसित वस्तुओं के लिए पांच वर्ष और उससे अधिक समय तक के सुनिश्चित ऑर्डर के प्रावधान हैं। संशोधित प्रावधानों के अनुसार, 50 लाख रुपये तक की राशि



पांच दिन में पांच लाख श्रद्धालुओं ने किए रामलला के दर्शन

अयोध्या, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अयोध्या के दीपोत्सव में भक्ति, भव्यता और विकास का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रीराम की नगरी अयोध्या में जहां करोड़ों दीपों से विश्व कीर्तिमान रचा गया, वहीं इस आयोजन ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। पिछले पांच दिनों में पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई।

दीपोत्सव के दौरान अयोध्या के कारोबारियों को आकस्मिक आय हुई है। 16 अक्टूबर से 22 अक्टूबर के बीच अयोध्या में करीब आठ लाख श्रद्धालु पहुंचे। इस दौरान 90 फीसदी होटल, रेस्टोरेंट फुल रहे। जलपान, प्रसाद सामग्री, राम नामी, फोटो विक्रेताओं को खूब आय हुई। अनुमान है कि दीपोत्सव के दौरान अयोध्या की अर्थव्यवस्था में करीब पांच करोड़ का प्रवाह हुआ।



दीपोत्सव में बने रिकॉर्ड का उत्सव मनाने अयोध्या में पिछले पांच दिनों से लाखों श्रद्धालु उमड़ रहे हैं।

दीपोत्सव के अगले दिन से लगातार तीन दिन छुट्टी होने के चलते श्रद्धालुओं की भीड़ अयोध्या में उमड़ पड़ी। शाम के समय अयोध्या की भव्यता निहारने की ललक लोगों में ज्यादा दिखी। राम की पैड़ी के पास नींबू की चाय बेचने वाले फेरीवाले ने बताया कि वह दीपोत्सव के दौरान रोजाना करीब दो हजार चाय बेच रहे थे।

जबकि आम दिनों में 50 चाय बेचना मुश्किल हो जाता था। व्यापारी नेता पंकज गुप्ता ने बताया कि दीपोत्सव ने अयोध्या की अर्थव्यवस्था को नया आयाम दिया है। छोटे-छोटे कारोबारियों को खूब लाभ हुआ है। कारोबार सामान्य दिनों की तुलना में तीन गुना बढ़ा। गाइड अभिषेक ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में अमेरिका, आस्ट्रेलिया, स्पेन, कनाडा, हालैंड, फिजी, श्रीलंका, इंडोनेशिया, रूस और थाईलैंड से भी सौ से अधिक पर्यटक

अयोध्या पहुंचे। उन्होंने रामलला, हनुमानगढ़ी सहित अयोध्या के अन्य स्थलों का भ्रमण और दर्शन-पूजन किया। विदेशियों में श्रीराम की फोटो खरीदने की ललक दिखी। कई विदेशी अयोध्या का प्रसाद व सरयू जल भी अपने साथ ले गए हैं। स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि दीपोत्सव में हुए कारोबार ने अयोध्या की अर्थव्यवस्था को बूम करने का काम किया है। पर्यटकों ने खूब खरीदारी की है। बिड़ला धर्मशाला के सामने चंदन लगाने वाले युवक अनिल पांडेय

ने बताया कि 18 से 22 अक्टूबर तक रोजाना चार से पांच हजार तक की आय हुई। आम दिनों में 500 रुपये की आय बमुश्किल होती थी। दीया बनाने वाले कुम्हारों को भी खूब आय हुई। एक प्रसाद व्यवसायी ने बताया कि जितनी आय तीन महीने में होती है, उतनी पिछले पांच दिनों में हुई है।

उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड इकोनॉमिक एसोसिएशन के महासचिव विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि उनकी टीम पिछले एक सप्ताह से अयोध्या में रहकर अर्थव्यवस्था पर सर्वे कर रही है। अध्ययन के मुताबिक पिछले 16 अक्टूबर से 22 अक्टूबर के बीच अयोध्या में रोजाना सवा लाख से डेढ़ लाख श्रद्धालु पहुंचे। होटल, रेस्टोरेंट और गेस्ट हाउस 90 फीसदी बुक थे। फूल माला, भगवान श्रीराम, राम दरबार के चित्र व अन्य पूजा सामग्री की खूब बिक्री से करीब पांच करोड़ की आय हुई है।

माफिया अतीक के बेटे उमर को कोर्ट से झटका उमेश पाल हत्याकांड में जमानत अर्जी खारिज



प्रयागराज, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रयागराज के चर्चित उमेश पाल हत्याकांड में साजिश रचने के आरोपी बनाए गए माफिया अतीक अहमद के बड़े बेटे उमर अहमद की जमानत याचिका सेशन कोर्ट के विशेष न्यायालय ने खारिज कर दी। उमर का तर्क था कि घटना में उसकी कोई भूमिका नहीं है। घटना के वक्त वह जेल में था। कोर्ट ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए जमानत याचिका खारिज कर दी। उमर के वकील ने कोर्ट में

दलील दी थी कि उसका उमेश पाल हत्याकांड से कोई लेना देना नहीं है। लेकिन कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद जमानत अर्जी खारिज कर दी। 24 फरवरी 2023 को प्रयागराज में हुए चर्चित उमेश पाल हत्याकांड में उमर अहमद को आरोपी बनाया गया। उमर पर जेल से उमेश पाल हत्याकांड की साजिश रचने का आरोप है। 24 फरवरी 2023 को प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र के जयंतीपुर इलाके में उमेश पाल और उनके दो गनर की दिनदहाड़े हत्या हुई थी। उमर पर हत्याकांड

की साजिश में शामिल होने का आरोप लगा है। खुद को निर्दोष बताते हुए उमर ने जिला न्यायालय से जमानत की मांग की थी।

उमर ने कहा था कि घटना के समय वह लखनऊ जेल में बंद था। हत्याकांड में उसकी कोई भूमिका नहीं है और वो निर्दोष है। हालांकि कोर्ट ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया। यह फैसला स्पेशल न्यायाधीश (एससी-एसटी) राम प्रताप सिंह राणा की कोर्ट ने मोहम्मद उमर की जमानत याचिका पर सुनाया।

संघर्ष की राह पर यूपी के बिजलीकर्म

शुक्रवार से हर जिले में होगा प्रदर्शन

लखनऊ, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने ऐलान किया है कि शुक्रवार को सभी जिलों में फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। निजीकरण के साथ ही वर्टिकल सिस्टम का भी विरोध किया जाएगा। इसे भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। समिति ने कहा है कि वर्टिकल सिस्टम के नाम पर शहरी क्षेत्रों में पुनर्गठन किया जा रहा है। इससे कर्मचारियों और इंजीनियरों के पदों को घटाया जा रहा है। पहले पदों को घटाया जाएगा। इसके बाद शहरी क्षेत्र को निजी कंपनियों के हवाले कर दिया जाएगा। एक तरह से यह निजीकरण



की दूसरी रणनीति है। संघर्ष समिति ने कहा कि जिस प्रकार मध्यांचल में लेसा और केस्को में पदों में कटौती की जा रही है। उसी तरह पश्चिमांचल व अन्य निगमों में भी हजारों पद खत्म किए जाएंगे। फिर कार्य प्रभावित होने की दुहाई देते हुए निजी कंपनियों को काम सौंपा जाएगा। मालूम हो कि दीपावली पर्व पर बिजली कर्मियों ने आंदोलन स्थगित कर दिया था।

केंद्रीय पदाधिकारियों का आरोप है कि नई व्यवस्था से अकेले लखनऊ के लेसा में ही करीब 2055 नियमित पद और लगभग 6000 संविदा कर्मियों के पद समाप्त हो जाएंगे। समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की है कि वह मनमाने ढंग से हजारों पदों को समाप्त करने के मामले में तत्काल हस्तक्षेप करें। संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में पदों का विवरण भी दिया है।

धान खरीद के लिए 1.37 लाख किसानों ने कराया पंजीकरण

सरकार ने प. यूपी के किसानों से खरीदा 35.63 हजार मीट्रिक टन धान 2369 रु. कॉमन और 2389 रु. (ग्रेड-ए) प्रति क्विंटल से हो रही खरीद

लखनऊ, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार की नीतियों को अन्नदाता किसानों का साथ मिल रहा है। आंकड़े इसकी गवाही दे रहे हैं। खरीद सत्र 2025-26 में धान बिक्री के लिए पहली सितंबर से किसानों द्वारा पंजीकरण शुरू किया गया। 23 अक्टूबर सुबह 12 बजे तक 1,37,166 किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। वहीं योगी सरकार ने 4000 क्रय केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से 3790 क्रय केंद्र स्थापित हो गए हैं। यह केंद्र किसानों के लिए एफ.ओ.टी.पी आधारित सिंगल पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। किसान मोबाइल पर



खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक धान बिक्री के लिए किसान तेजी से पंजीकरण करा रहे हैं। 23 अक्टूबर की दोपहर 12 बजे तक 1.37 लाख से अधिक किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। धान की बिक्री के लिए एफ.ओ.टी.पी आधारित सिंगल पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। किसान मोबाइल पर

एसएमएस से मिले ओटीपी को भरकर पंजीकरण करा सकते हैं। किसानों को भुगतान सीधे आधार लिंकड बैंक खाते में किया जा रहा है। पहली अक्टूबर से पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, आगरा, अलीगढ़, झांसी संभाग में खरीद हो रही है। वहीं लखनऊ संभाग

के हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर जनपद में भी धान खरीद हो रही है। योगी सरकार ने 60 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य रखा है। 23 दिन में इन संभागों में 35.63 हजार मीट्रिक टन से अधिक की खरीद की जा चुकी है।

डबल इंजन सरकार ने इस वर्ष धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि भी की है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (कॉमन)-2369 और (ग्रेड ए) का 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। योगी सरकार ने 48 घंटे के भीतर किसानों को भुगतान का निर्देश दिया है। क्रय केंद्र सुबह 9 से शाम पांच बजे तक खुले हैं। 17 प्रतिशत नमी तक का धान

खरीदा जा सकता है। योगी सरकार ने धान खरीद के लिए कैबिनेट बैठक में प्रदेश में 4000 क्रय केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य रखा था। इसमें से अब तक 3790 क्रय केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं।

पूर्वी उत्तर प्रदेश के संभागों में पहली नवंबर से धान खरीद होगी। यह खरीद पूर्वी उत्तर प्रदेश के चित्रकूट, कानपुर, अयोध्या, गोरखपुर, देवीपाटन, बस्ती, आजमगढ़, वाराणसी, मीरजापुर व प्रयागराज संभाग में होगी। इसके साथ ही लखनऊ संभाग के लखनऊ, रायबरेली और उन्नाव में भी पहली नवंबर से खरीद होगी, जो 28 फरवरी 2026 तक चलेगी।

फायर ब्रिगेड में बनेगी स्पेशलाइज्ड यूनिट

सृजित होंगे 98 राजपत्रित और 922 अराजपत्रित पद



लखनऊ, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश में बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिक विस्तार और शहरीकरण की गति को देखते हुए अग्निशमन विभाग की संरचना को अधिक सशक्त, आधुनिक तथा जनसुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील बनाना समय की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि फायर सर्विस को केवल आग बुझाने तक सीमित न रखकर इसे आपदा प्रबंधन, रेस्क्यू ऑपरेशन और

आपात सेवाओं के समेकित स्वरूप में विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री गुरुवार को अग्निशमन विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने विभागीय कैडर रिव्यू की आवश्यकता जताते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक रीजन में स्पेशलाइज्ड यूनिट गठित की जाए, जो केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल दुर्घटनाओं तथा सुपर हाईराइज बिल्डिंग जैसी परिस्थितियों से निपटने में सक्षम हों। मुख्यमंत्री ने फायर सर्विस को अत्याधुनिक

उपकरणों और प्रशिक्षित जनशक्ति से सुसज्जित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में विभाग में नए पदों के सृजन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग की प्रशासनिक क्षमता और वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रत्येक जनपद में अकाउंट कैडर स्थापित किया जाए। साथ ही, राज्य अग्निशमन प्रशिक्षण महाविद्यालय में अतिरिक्त पद सृजित कर प्रशिक्षण एवं अनुसंधान की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जाए। मुख्यमंत्री के निर्देशों के

बाद विभाग में राजपत्रित संवर्ग के 98 तथा अराजपत्रित संवर्ग के लगभग 922 नए पद सृजित होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे जनपद, रीजनल और मुख्यालय स्तर पर फायर सर्विस की कार्यक्षमता और जनसेवा क्षमता को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले में फायर एवं आपात सेव-1ओं की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। एक्सप्रेस-वे पर बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक 100 किलोमीटर की दूरी पर

फायर टेंडर सहित एक छोटी फायर चौकी स्थापित की जाए, ताकि दुर्घटना की स्थिति में गोल्डन ऑवर के भीतर राहत व बचाव कार्य प्रारंभ किया जा सके। बैठक में बताया गया कि नई ऑपरेशनल इकाइयों के रूप में कुशीनगर, आजमगढ़, श्रावस्ती, कानपुर नगर, अयोध्या, अलीगढ़, मुरादाबाद, चित्रकूट और सोनभद्र एयरपोर्ट पर अग्निशमन सेवाओं की समुचित जनशक्ति पहले ही तैनात की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फायर सर्विस जनता के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा से सीधे जुड़ा हुआ विभाग है। इसकी संरचना ऐसी होनी चाहिए, जो हर परिस्थिति में त्वरित, कुशल और उत्तरदायी प्रतिक्रिया देने में सक्षम हो। उन्होंने कहा कि विभाग के पुनर्गठन की प्रक्रिया समयबद्ध रूप से पूरी की जाए, ताकि इसका लाभ शीघ्र जनता तक पहुंच सके।

टीईटी की अनिवार्यता पर आर या पार के मूड में शिक्षक 24 नवंबर को दिल्ली कूच करेंगे लाखों अध्यापक

लखनऊ, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

यूपी सहित देशभर में टीईटी अनिवार्य करने के फैसले के खिलाफ पूरे देश के शिक्षक एकजुट होने जा रहे हैं। शनिवार से इसको लेकर रणनीति बननी शुरू हो जाएगी। शिक्षक संगठनों के मोर्चे ने 24 नवंबर को दिल्ली कूच का ऐलान किया है। इसके लिए 25 अक्टूबर से देश भर के सभी जिलों में जनसंपर्क और बैठकों का सिलसिला शुरू होगा। शिक्षक संगठनों के संयुक्त मोर्चा अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने 24 नवंबर को दिल्ली के जंतर-मंतर होने वाले आंदोलन की तैयारी तेज कर दी है। इसमें देश भर के लाखों शिक्षक शामिल होंगे। दिवाली आदि त्यौहार के बाद शिक्षकों ने इसके लिए तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में 25 से 31 अक्टूबर तक पूरे देश के जिला मुख्यालयों पर मोर्चों में शामिल सभी घटक संगठन



शिक्षकों की बैठके करेंगे। अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय सह संयोजक अनिल यादव ने बताया कि बैठक कर अधिक से अधिक शिक्षकों को दिल्ली जंतर मंतर पर पहुंचने के लिए तैयार करेंगे। इसके लिए स्कूलों में जनसंपर्क भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली जाने वालों की संख्या और तैयारी की जानकारी शीघ्र नेतृत्व को 10 नवंबर तक सभी प्रदेशों द्वारा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य

किए जाने के आदेश के खिलाफ शिक्षकों को आंदोलन करना पड़ रहा है। टीईटी लागू होने से उत्तर प्रदेश में लगभग 1,86,000 और देश भर में लगभग 10 लाख शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं। संयुक्त मोर्चा की मांग है कि केंद्र सरकार टीईटी को अनिवार्य करने के आदेश में संशोधन करे। शिक्षकों की सेवा सुरक्षित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और केंद्र सरकार संसद में अध्यादेश लाकर देश के शिक्षकों के हितों की रक्षा करे।



बैक्टीरिया और वायरस भी बदल रहे हैं अपना स्वरूप

वॉशिंगटन, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कई बैक्टीरिया ऐसे हो चुके हैं जो एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति रेजिस्टेंट यानी प्रतिरोधी बन गए हैं। इसका अर्थ है कि वे उन दवाओं से नहीं मरते, जिनसे पहले आसानी से खत्म हो जाते थे। यह स्थिति बेहद खतरनाक है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह समस्या अक्सर तब बढ़ती है जब लोग बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक दवाएं लेते हैं या दवा का कोर्स अधूरा छोड़ देते हैं। इससे बैक्टीरिया धीरे-धीरे उन दवाओं के खिलाफ प्रतिरोध विकसित कर लेते हैं। परिणामस्वरूप, वही एंटीबायोटिक जो कभी असरदार थीं, अब बेअसर हो जाती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन

(डब्ल्यूएचओ) की हालिया रिपोर्ट इस स्थिति की गंभीरता को उजागर करती है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में हर 6 मिनट में से 1 बैक्टीरियल संक्रमण अब एंटीबायोटिक के प्रति रेजिस्टेंट हो चुका है। 2018 से 2023 के बीच एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस 40 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। यह रिपोर्ट डब्ल्यूएचओ के ग्लोबल एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस एंड यूज सर्विलांस सिस्टम द्वारा 100 से अधिक देशों से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित है। रिपोर्ट में 22 प्रकार की एंटीबायोटिक दवाओं की प्रभावशीलता का विश्लेषण किया गया, जो

यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन, गट इंफेक्शन, ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन और गोनोरिया जैसी बीमारियों के इलाज में उपयोग की जाती हैं। इनमें आठ प्रमुख बैक्टीरियल रोगजनक शामिल हैं — एसीनेटोबैक्टर, एसचरिचिया कोली, क्लेब्सिएला न्यूमोनिया, नाइसेरिया गोनोरिया, सालमोनेला, शिगेल्ला, स्टैफिलोकोकस ऑरियस और स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया। इन सभी पर बढ़ता एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस अब वैश्विक स्वास्थ्य संकट बन चुका है।

रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशिया और पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में लगभग हर तीन में से एक संक्रमण एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट पाया गया है, जबकि अफ्रीकी देशों में यह 70 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है।

यह आंकड़ा हर पांच में से एक है। कमजोर स्वास्थ्य प्रणालियों वाले देशों में यह खतरा सबसे अधिक है क्योंकि वहां समय पर निदान और उपचार की सुविधाएं सीमित हैं। ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया जैसे ई.कोली और के.पनेमोनिया अब ब्लड स्ट्रीम संक्रमणों में सबसे खतरनाक साबित हो रहे हैं। ये संक्रमण सेप्सिस, ऑर्गन फेलियर और यहां तक कि मौत का कारण भी बन सकते हैं। वर्तमान में 40 प्रतिशत से अधिक ई.कोली और 55 प्रतिशत से ज्यादा के.पनेमोनिया तीसरी पीढ़ी की सेफालोस्पोरिन दवाओं के प्रति रेजिस्टेंट हो चुके हैं, जबकि अफ्रीकी देशों में यह दर 70 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत व्यापार और निवेश में मलेशिया का अहम साझेदार-इब्राहिम, प्रधानमंत्री मोदी को फोन संवाद में दी दीपावली की शुभकामनाएं



कुआलालंपुर (मलेशिया)। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि भारत व्यापार और निवेश में मलेशिया का अहम साझेदार है। मलेशिया संबंधों को मजबूत करने, शांतिपूर्ण और समृद्ध क्षेत्र की दिशा में सहयोग को और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मलेशिया का भारत के साथ प्रौद्योगिकी, शिक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा क्षेत्रों में घनिष्ठ सहयोग भी है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने यह बात एक्स पोस्ट पर कही। उन्होंने लिखा, कल रात मुझे अपने समकक्ष भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का फोन आया। हमने मलेशिया-भारत द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक रणनीतिक और व्यापक स्तर पर मजबूत करने के प्रयासों पर चर्चा की। भारत, व्यापार और निवेश के क्षेत्र में मलेशिया का एक महत्वपूर्ण साझेदार बना हुआ है। साथ ही प्रौद्योगिकी, शिक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा क्षेत्रों में घनिष्ठ सहयोग भी है। अनवर इब्राहिम ने लिखा, हमने इस महीने के अंत में कुआलालंपुर में 47वें आसियान शिखर सम्मेलन के आयोजन पर भी चर्चा की। उन्होंने (नरेन्द्र मोदी) बताया कि चूंकि उस समय भारत में दीपावली समारोह चल रहा होगा, इसलिए वे ऑनलाइन भाग लेंगे। मैं इस निर्णय का सम्मान करता हूँ और उन्हें व भारत के सभी लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं देता हूँ। मलेशिया, भारत से संबंधों को मजबूत करने और एक अधिक शांतिपूर्ण और समृद्ध क्षेत्र की दिशा में आसियान-भारत सहयोग को और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में निर्माण कंपनी के नौ अधिकारियों का अपहरण



क़ेटा (बलोचिस्तान)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में एक निर्माण कंपनी के नौ अधिकारियों का अपहरण कर लिया गया। इस घटना से इस्लामाबाद तक हड़कंप मचा हुआ है। सेना ने सारे इलाके को घेरकर अगवा किए अधिकारियों की तलाश शुरू की है। फ़िलहाल इन अधिकारियों का कोई पता नहीं चल पाया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह वारदात बुधवार को मरुतुंग जिले में हुई है। हथियारबंद लोग निर्माण कंपनी के नौ अधिकारियों को जबरन अपने साथ ले गए। इस घटना के बाद कुछ हथियारबंद लोगों ने कलात के मंगचर इलाके में क़ेटा-कराची मुख्य राजमार्ग को अवरुद्ध कर वाहनों की तलाशी ली। सूत्रों के अनुसार, नाकाबंदी एक घंटे से अधिक समय तक जारी रही। इस दौरान गोलीबारी और विस्फोट की आवाज भी सुनी गई। बताया गया है कि अपहरण की घटना के बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने इलाके को घेरकर तलाशी अभियान शुरू किया है। मरुतुंग पुलिस के अनुसार, अपहृत व्यक्ति पंजाब और सिंध प्रांत के हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह लोग एक सरकारी परियोजना स्थल पर काम कर रहे थे।

जिसने भी अफगानों को छेड़ा, उसने अपनी ही जड़ें खोदीं, तालिबान के आर्मी चीफ ने पाक को चेताते हुए इतिहास याद दिलाया

काबुला। पाकिस्तान-अफगानिस्तान कभी भाई-भाई की तरह थे लेकिन पाकिस्तान इस देश के लोगों को बम



बरसा रहा है। वहां रहने वाले मासूम बच्चों और बुजुर्गों पर हमले कर रहा है। इसके बदले जब अफगानिस्तान की सेना ने उसे ओकात दिखाते हुए उसे हथियार और टैंक तक छीन लिए, तो अब वह धमकी दे रहा है। ऐसे में तालिबान के आर्मी चीफ फसीहुद्दीन फिहतत ने कहा कि जिसने भी अफगानों को छेड़ा, उसकी जड़ें खुद गईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तालिबान के आर्मी चीफ फसीहुद्दीन फिहतत ने इस्लामाबाद को चेताते हुए अफगानिस्तान का इतिहास याद दिलाया है। तालिबान सेना के चीफ ऑफ ने कहा कि पुराना इतिहास उठाकर देख लें, जो कोई भी हमारे देश पर आक्रमण करने की कोशिश करता है, वो आखिरकार अपनी ही जड़ों को खोदता है। तालिबान आर्मी चीफ की ये टिप्पणी दोहा में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध विराम समझौते के एक दिन बाद आई है। इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कहा था कि सीजफायर इसी शर्त पर मान्य है कि अफगानिस्तान अपनी सीमा पार करने वाले सशस्त्र बलों को रोके। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के समझौते के बाद पाकिस्तानी सेना और तालिबान के बीच कई दिनों तक चली हिंसक झड़प घट गई है। हालांकि दोनों पक्षों में तनाव बना हुआ है।

यूक्रेन ने रूस के गैस प्लांट पर किया ड्रोन से हमला, सप्लाई बंद

कीव, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

यूक्रेन ने दक्षिणी रूस में एक प्रमुख गैस प्रसंस्करण संयंत्र पर यूक्रेन ने ड्रोन से हमला कर दिया। इसके कारण कजाकिस्तान से गैस की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी गई। यूक्रेन की जनरल स्टाफ ने बयान में कहा कि ओरेनबर्ग संयंत्र में आग लगी और एक गैस प्रसंस्करण और शोधन इकाई क्षतिग्रस्त हुई। यूक्रेन ने हाल के महीनों में रूसी ऊर्जा सुविधाओं पर हमले तेज कर दिए हैं, जिन्हें वह मास्को के युद्ध प्रयास को वित्तपोषित करने वाला और सोधे समर्थन देने वाला मानता है।

यूक्रेनी अभियोजक दावा कर रहे हैं कि रूस नागरिक इलाकों को निशाना बनाने के लिए अपने हवाई निर्देशित बमों को बदल रहा है। खार्किव क्षेत्र में रूस ने नए रॉकेट-संचालित बम का इस्तेमाल किया, जो 130 किलोमीटर तक उड़ सकता है। क्षेत्र में रूसी ड्रोन हमले में कम से कम 11 लोग घायल हुए और कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं। रूस ने कोयला खदान पर भी हमला किया, जिसमें 192 खनिज सुरक्षित निकाले गए। यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने रूस के समारा क्षेत्र में नोवोकुडिबिशेव्स्क तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमले का दावा भी किया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसने रात भर 45 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। रूसी अधिकारियों ने बताया कि ओरेनबर्ग स्थित यह संयंत्र विश्व के सबसे बड़े गैस उत्पादन और प्रसंस्करण संयंत्रों में से एक है। इसकी वार्षिक क्षमता 45 अरब क्यूबिक मीटर है और यह कजाकिस्तान के कराचगनाक क्षेत्र से गैस कंडेन्सट को संसाधित करता है। इसे वहां की सरकारी कंपनी गैज़प्रॉम चलाती है। क्षेत्रीय गवर्नर येवेगेनी सोलंतसेव के अनुसार, ड्रोन हमलों से संयंत्र की एक कार्यशाला में आग लग गई और संयंत्र का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। कजाक ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि गैज़प्रॉम की सूचना के अनुसार, ड्रोन हमले के कारण संयंत्र अस्थायी रूप से कजाकिस्तान की गैस को संसाधित करने में असमर्थ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन से यह संकेत दिया कि शांति स्थापित करने के लिए उसे रूस से खोई हुई भूमि छोड़नी पड़ सकती है। एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कुछ न कुछ ले ही लेंगे और अमेरिका ही ऐसा देश है जो युद्ध जीतकर छोड़ देता है।



इस्लामी वर्ल्ड में भारत-कतर की जोरदार धमक, तुर्की-पाकिस्तान की बढ़ी चिंता

दोहा। कतर ने भी इस्लामी कूटनीति में अपनी पकड़ और भूमिका को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। इस खाड़ी देश ने मिर्दिफ अल काशूती को अफगानिस्तान में पूर्ण राजदूत बनाने का फैसला किया है। वह पिछले तीन वर्षों से काबुल स्थित कतर दूतावास में वरिष्ठ राजनयिक के रूप में काम कर रहे थे। कतर ने यह नियुक्ति ऐसे वक्त पर की है जब वह अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है, और दोनों देशों की अगली बैठक तुर्किये में होने वाली है। इधर भारत सरकार ने अफगानिस्तान में काबुल स्थित अपने तकनीकी मिशन को तत्काल प्रभाव से दूतावास में अपग्रेड करने का फैसला लिया है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस महीने अफगान विदेश मंत्री आमीर खान मुतकी के भारत दौरे के दौरान काबुल में भारतीय तकनीकी मिशन को दूतावास का दर्जा देने की घोषणा की थी। दक्षिण एशिया और इस्लामी जगत में तेजी से बदलते समीकरणों के बीच भारत और कतर ने ऐसे कदम उठाए हैं, जिसने न केवल अफगानिस्तान बल्कि पूरे मुस्लिम वर्ल्ड में नए संकेत दे दिए हैं। भारत सरकार ने मंगलवार को काबुल में अपने मिशन को अपग्रेड कर फिर से 'दूतावास' का दर्जा देने की घोषणा की है। वहीं कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने अफगानिस्तान में मिर्दिफ अली अल काशूती को अफगानिस्तान का नया राजदूत नियुक्त किया है। ये दोनों फैसले ऐसे समय में आए हैं, जब अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच अगली वार्ता तुर्की में होने वाली है और इस्लामी जियो पॉलिटिक्स में नए शक्ति समीकरण बनते दिख रहे हैं। मुतकी 9 से 16 अक्टूबर तक भारत में थे। इस दौरान वह दक्षिण एशिया के सबसे प्रभावशाली इस्लामिक इंदर 'दारुल उलूम देवबंद' का भी दौरा किया था। तालिबान की वैचारिक जड़ें जो प्रतीकात्मक रूप से इस भारतीय इंदर से भी जुड़ी मानी जाती हैं।

ऑस्ट्रेलिया में गर्मी तोड़ रही पुराने सारे रिकॉर्ड, 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक की हवाएं चलने का अनुमान



मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में इन दिनों गर्मी का कहर दिख रहा है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया हीटवेव और विनाशकारी हवाओं की चपेट में है। इसलिए लाखों लोगों को भीषण गर्मी की स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी गई। न्यू साउथ वेल्स के घनी आबादी वाले पूर्वी तट पर अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक और राजधानी सिडनी में 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। बीओएम ने ग्रेटर सिडनी और आसपास के क्षेत्रों में भीषण गर्मी और 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक की विनाशकारी हवाओं के पूर्वानुमान से अत्यधिक आग के खतरे की चेतावनी जारी की। वहीं स्वास्थ्य मंत्री रयान पार्क ने लोगों को बाहर जाने से बचने और बुजुर्गों, दोस्तों, परिवार, छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं का ध्यान रखने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, हम सभी से गर्मी से बचाव के लिए कदम उठाने का आग्रह कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कीसलैंड और न्यू साउथ वेल्स दोनों राज्यों में मंगलवार को अवतूर का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। कीसलैंड का अधिकतम तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस और न्यू साउथ वेल्स में 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बता दें, विक्टोरिया और दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में लू का असर देखने को नहीं मिला। हालांकि, बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने अनुमान लगाया है कि दोनों राज्यों में विनाशकारी हवाएं चल सकती हैं।

अमेरिका ने रूस की बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए

वॉशिंगटन, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका ने रूस की सबसे प्रमुख दो बड़ी तेल कंपनी रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिए। यह घोषणा खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने दूसरे कार्यालय में पहली बार रूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का फैसला लेना पड़ा। प्रतिबंध लगाने की घोषणा बुधपेस्ट में दोनों नेताओं की मुलाकात की योजना के विफल होने के बाद की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन पर मास्को के व्यापक आक्रमण के बाद से रूसी ऊर्जा क्षेत्र के विरुद्ध अमेरिका का यह सबसे महत्वपूर्ण कदम है। ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि वह अपने दूसरे कार्यालय में पहली बार रूस पर महत्वपूर्ण नए प्रतिबंध लगा रहे हैं। नए प्रतिबंधों की घोषणा ठीक उसी समय की गई जब राष्ट्रपति ओवल ऑफिस में नाटो के



महासचिव मार्क रूट के साथ बैठे। रूट ट्रंप से मिलने वॉशिंगटन आए थे।

अमेरिकी वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक बयान में कहा, अब समय आ गया है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम तत्काल लागू किया जाए। इस घोषणा में तेल कंपनियों को क्रैमलिन की युद्ध मशीन का दोहरा इंजन बताया गया है। उधर, ट्रंप की रूसी नेता के प्रति नाराजगी बुधवार को साफ दिखी। उन्होंने कहा, जब भी मैं व्लादिमीर से बात करता हूँ, अच्छी बातचीत होती है और फिर वे आगे नहीं बढ़ते।

ट्रंप ने बुधपेस्ट शिखर सम्मेलन को रद्द करने के फैसले के बारे में कहा, मुझे नहीं लगा कि हम उस मुकाम पर पहुंच पाएंगे जहां हमें पहुंचना था। इसलिए मैंने इसे रद्द कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का यह ठीक कुल सही समय है। महत्वपूर्ण यह है कि ट्रंप के पूर्ववर्ती जो बाइडेन



वॉशिंगटन, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका ने संदिग्ध ड्रग तस्करो के खिलाफ अपना अभियान और तेज कर दिया। पूर्वी प्रशांत महासागर में लगातार दूसरे दिन बुधवार को एक जहाज पर घातक हमला कर उस पर मौजूद तीन नाकों आतंकियों को मार गिराया। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि इस अभियान में कोई डील नहीं दी जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने बुधवार देरशाम एक्स पोस्ट पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में किए गए इस हमले के दौरान जहाज पर तीन पुरुष नाकों आतंकवादी सवार थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका में ड्रग पहुंचाने वालों को खोज-खोजकर मारा जाएगा।

हेगसेथ ने बुधवार देररात कहा कि दो दिन में दूसरी बार ट्रंप प्रशासन ने पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में ड्रग्स की तस्करी करने वाले संदिग्ध जहाज पर घातक हमले किए। अब अभियान कैरेबियन सागर से आगे बढ़ गया है। सितंबर में शुरू किए इस अभियान के दौरान अमेरिकी विशेष अभियान बलों ने नौ घटनाओं में 37 ड्रग तस्करो को मार गिराया। एक अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में पहला

हमला कोलंबिया के तट के पास हुआ था। हेगसेथ की एक्स पोस्ट के अनुसार, मंगलवार देररात हुए हमले में नाव पर सवार दो लोग मारे गए। दूसरे हमले में तीन लोग मारे गए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस में इस अभियान पर पत्रकारों से बात की। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में हमले समुद्र में लक्ष्यों से आगे भी जा सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा यह लोग हिंसक हैं। उनके पास ऐसी नावें हैं जो पानी में 45 से 50 मील प्रति घंटे की गति से चलती हैं। ट्रंप ने संकेत दिया कि वह जल्द ही जमीनी ठिकानों पर हमले का आदेश देंगे। यह अभियान दो सितंबर को राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश पर सेना ने शुरू किया था। वेनेजुएला से शुरू यह अभियान कोलंबिया तक पहुंच गया है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर 2020 में संयुक्त राज्य अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप लग चुके हैं। ट्रंप की टीम उन्हें कार्टेल नेता कहती है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेद्रो ने कहा है कि अमेरिकी हमलों में कई कोलंबियाई मारे गए हैं। उल्लेखनीय है कि दुनिया में कोकीन की अधिकांश आपूर्ति दक्षिण अमेरिका के तीन देशों से की जाती है।

जर्मनी में शिक्षा प्रणाली फेडरल स्ट्रक्चर पर आधारित

बर्लिन, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जर्मनी की शिक्षा प्रणाली दुनिया में सबसे संगठित और विविध प्रणालियों में से एक है। इसकी नींव समान अवसर और व्यावसायिक मार्गदर्शन पर टिकी है। जर्मनी की शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया के सबसे सशक्त देशों में गिना जाता है। यहां का शिक्षा ढांचा बच्चों को किंडरगार्टन से लेकर यूनिवर्सिटी तक मजबूत शैक्षणिक और व्यावसायिक आधार प्रदान करता है। जर्मनी की शिक्षा प्रणाली का सबसे खास पहलू यह है कि यह फेडरल स्ट्रक्चर पर आधारित है। यानी देश के 16 राज्यों में से हर राज्य अपनी शिक्षा नीति बनाने का अधिकार रखता है। इस वजह से जर्मन शिक्षा प्रणाली कहने से बेहतर है कि इसे कई क्षेत्रीय प्रणालियों का संग्रह कहा जाए। प्रत्येक राज्य स्कूल, सिलेबस और परीक्षाओं के नियम अपने तरीके से तय करता है। यह डिसेंट्रलाइज्ड सिस्टम यह सुनिश्चित करता है कि शिक्षा स्थानीय आर्थिक और सामाजिक जरूरतों के अनुरूप हो। स्कूलों में पढ़ाई का मुख्य उद्देश्य छात्रों को न केवल शैक्षणिक ज्ञान देना है, बल्कि उन्हें उनकी रुचियों और



प्रतिभाओं के आधार पर करियर की स्पष्ट दिशा भी प्रदान करता है। जर्मनी में स्कूली शिक्षा प्लेगुप से शुरू होकर प्राइमरी और सेकंडरी स्कूल में तीन मुख्य धाराओं में बांटी गई है: व्यावसायिक प्रशिक्षण, माध्यमिक शिक्षा और यूनिवर्सिटी की तैयारी (अबीटूर)। पब्लिक स्कूलों में पढ़ाई लगभग मुफ्त है। यह मॉडल समाज के हर वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का समान अवसर देता है। अनिवार्य स्कूली शिक्षा लगभग 6 साल की उम्र में शुरू होती है। किंडरगार्टन या प्री-स्कूल 3 से 6 साल के बच्चों के लिए होता है,

लेकिन यह अनिवार्य नहीं है।

प्राथमिक स्कूल में दाखिला बच्चे के निवास स्थान पर आधारित होता है। जर्मनी के पब्लिक स्कूल टेक्स जमा करने वालों के फंड से चलते हैं, इसलिए ये किसी से टयूशन फीस नहीं लेते। परीक्षा प्रणाली छात्रों को ओवरऑल परफॉर्मेंस और अंतिम परिणाम पर केंद्रित होती है। सेकंडरी शिक्षा के अंत में होने वाली 'अबीटूर' परीक्षा विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए मुख्य गेटवे का काम करती है। इसके माध्यम से छात्रों को अकादमिक क्षमता और करियर की दिशा तय होती है।

ने अमेरिकी सहयोगियों के दबाव के बावजूद रूसी तेल की कानूनी खरीद की अनुमति देने के ट्रंप से मिलने वॉशिंगटन आए थे। अमेरिका के इस फैसले पर अटलांटिक काउंसिल के फेलो डैनियल टैनबाम ने कहा, ये प्रतिबंध एक बड़ा कदम हैं, लेकिन उन्हें तीसरे देशों पर या तो द्वितीयक प्रतिबंधों का इस्तेमाल करना होगा, या सख्त चेतावनी देनी होगी। वह कहते हैं कि द्वितीयक प्रतिबंध उन देशों पर लागू होंगे जो रूस के साथ वित्तीय व्यापार करते हैं। उल्लेखनीय है कि पांच दिन पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्स्की ट्रंप से मिलने हाउस आए थे। परदे के पीछे यह मुलाकात कुछ खास अच्छी नहीं रही। ट्रंप ने जेलेन्स्की पर रूस को जमीन देने का दबाव डाला ताकि पुतिन की शर्तों पर युद्धविराम लागू हो सके। अगस्त में अलास्का में ट्रंप और पुतिन की मुलाकात के बाद ऐसे प्रयास भी किए गए।



ब्रिसन फर्नांडिस बने एएफसी चैंपियंस लीग टू में गोल करने वाले पहले भारतीय, एफसी गोवा को अल-नास्त्र ने 1-2 से हराया

फातोर्दो (गोवा), 23 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारतीय मिडफील्डर ब्रिसन फर्नांडिस ने बुधवार को इतिहास रचते हुए एएफसी चैंपियंस लीग टू में गोल करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। हालांकि उनके इस गोल के बावजूद एफसी गोवा को अपने घरेलू मैदान फातोर्दा के पंडित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में सऊदी अरब के क्लब अल-नास्त्र के खिलाफ 1-2 से हार झेलनी पड़ी।

मैच के शुरुआती 30 मिनट में ही अल-नास्त्र ने एंजेलो गेब्रियल और हारूने के गोल से 2-0 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, 41वें मिनट में ब्रिसन फर्नांडिस ने शानदार मूव बनाकर गोल दागा और गोवा को मुकाबले में वापसी

दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में गोवा ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाया, लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर सके।

गोवा की रणनीति और संघर्ष

एफसी गोवा ने काउंटर-अटैक पर खेलने की रणनीति अपनाई थी, लेकिन गेंद पर कब्जा पाने के बाद उनके खिलाड़ी उतनी तेजी से अवसर नहीं बना पाए।

ब्रिसन फर्नांडिस के अलावा कोई भी खिलाड़ी गेंद को आगे ले जाकर खतरा पैदा नहीं कर सका। मुहम्मद नेमिल ने कोशिश की, लेकिन उन्हें मिडफील्ड में कई बार शारीरिक रूप से पछाड़ दिया गया।

बोरजा हेररा और डेज़न द्राज़िक भी विरोधी रक्षापंक्ति को चुनौती नहीं दे पाए, जिससे गोवा की हमलावर रणनीति बेअसर रही।

अल-नास्त्र की शुरुआती बढ़त और आत्मविश्वास

कोच जॉर्ज जीसस की टीम ने पिछले 10 में से 9 मैच जीते थे और इस मैच में भी उन्होंने शानदार शुरुआत की। हालांकि, 2-0 की बढ़त लेने के बाद सऊदी टीम ने अपना दबाव कम कर दिया, जिसका फायदा गोवा ने उठाया और ब्रिसन ने गोल दाग दिया। दूसरे हाफ में अल-नास्त्र ने हालांकि ज्यादा आक्रामक खेल नहीं

दिखाया, लेकिन अंततः तीन अंक अपने नाम कर लिए। विदेशी खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन, एफसी गोवा के विदेशी खिलाड़ी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। जेवियर सिवेरियो चोट के कारण 24वें मिनट में ही बाहर हो गए। डेज़न द्राज़िक ने ब्रिसन को अस्सिस्ट जरूर दिया, लेकिन खुद कोई बड़ा प्रभाव नहीं डाल पाए। डेविड टिमोर और पोल मोरेनो भी मिडफील्ड और डिफेंस में संघर्ष करते नजर आए। बोरजा हेररा ने कुछ अच्छे कॉर्नर किक दिए, लेकिन रक्षात्मक जिम्मेदारी में चूक गए। रोनाल्डो की गैरहाजिरी फुटबॉल प्रशंसक क्रिस्टियानो रोनाल्डो को मैदान पर देखने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन उन्हें आराम दिया गया।

न्यूज़बीफ

अभिनव बिंद्रा को 2026 शीतकालीन ओलंपिक का मशालवाहक चुना गया



नई दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा को अगले वर्ष होने वाले शीतकालीन ओलंपिक 2026 के लिए मशालवाहक के रूप में चुना गया है। यह खेल आयोजन 6 से 22 फरवरी, 2026 तक मिलान और कोर्टिना डी अम्पेत्जो (इटली) में आयोजित किया जाएगा। अभिनव बिंद्रा ने इस अवसर पर अपनी खुशी सोशल मीडिया पर व्यक्त करते हुए लिखा, मिलानो कोर्टिना 2026 ओलंपिक टॉच रिले के लिए मशालवाहक के रूप में चुना जाना मेरे लिए वास्तव में सम्मान की बात है। ओलंपिक मशाल हमेशा मेरे दिल के करीब रही है — यह सपनों, दृढ़ता और खेलों के जरिए विश्व एकता का प्रतीक है। इसे फिर से लेकर चलना मेरे लिए सम्मान और प्रेरणा दोनों है। इस अद्भुत सम्मान के लिए मिलानो कोर्टिना 2026 का धन्यवाद। बिंद्रा ने 2008 बीजिंग ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता था। यह चौथा अवसर होगा जब इटली शीतकालीन ओलंपिक की मेजबानी करेगा। इस बार के संस्करण में 16 विधाओं में कुल 116 पदक स्पर्धाएं होंगी, जो बीजिंग 2022 की तुलना में 7 इवेंट और 1 नई विधा अधिक हैं।

सट्टेबाजी कंपनियों के प्रमोशन से इंकार करने के कारण गयी रिजवान की कप्तानी : रिपोर्ट

लाहौर। मोहम्मद रिजवान को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से ठीक पहले पाकिस्तान की एकदिवसीय टीम की कप्तानी से हटाये जाने के बाद से ही इसके कारणों को लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं क्योंकि उनकी जगह कप्तान बनाये गये शाइन अफरीदी का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है। वहीं एक सावक के अपने कप्तानी करियर में रिजवान का प्रदर्शन ठीक-ठाक था। पाक बोर्ड (पीसीबी) ने रिजवान को कप्तानी से हटाने का कोई स्पष्ट कारण भी नहीं बताया है। वहीं एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सट्टेबाजी कंपनियों के प्रमोशन से इंकार करने के कारण रिजवान की कप्तानी गयी है। पीसीबी चाहता था कि रिजवान सट्टेबाजी कंपनियों का प्रमोशन करें पर वह इसके लिए तैयार नहीं थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिजवान ने पीसीबी से कहा था कि वह इस प्रकार की कंपनियों का प्रमोशन नहीं करेंगे, जिससे पीसीबी नाराज था। इससे पहले इस साल की शुरुआत में, सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के साथ केरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में खेलते हुए भी रिजवान ने एक सट्टेबाजी कंपनी के लोगों वाली जर्सी पहनने से माना कर दिया था। यहां तक कि टीम के मुख्य प्रायोजक की जर्सी भी रिजवान ने नहीं पहनी थी। उन्होंने प्रायोजक की ब्रांडिंग के बिना ही एक दूसरी जर्सी पहनकर टूर्नामेंट खेला था जिससे भी वह सट्टेबाजी कंपनियों के निशाने पर थे।

आरसीबी जा सकते हैं सैमसन नई दिल्ली। आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन के 2026 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) जाने की अटकलें लगायी जा रही हैं। आईपीएल 2025 सत्र में भी रॉयल्स की कप्तानी अधिकतर समय रियान पराग ने की थी और ऐसे में सैमसन का दबदबा टीम पर कम हुआ है। उनका प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा है। जिससे भी रॉयल्स से उनके रिश्ते अब पहले जैसे नहीं रहे। पिछले कुछ समय से इस प्रकार की रिपोर्ट आ रही हैं कि संजू किसी अन्य टीम में जा सकते हैं। वहीं अब सैमसन की एक एक तस्वीर सोशल मीडिया में आई है। इसमें वह आरसीबी के थ्रोड्राउन स्पेशलिस्ट गैब्रियल के साथ नजर आ रहे हैं। जिससे उनके आरसीबी की ओर जाने की अटकलें तेज हो गयी हैं। इस तस्वीर में गैब्रियल आरसीबी की जर्सी में हैं, जबकि सैमसन ने टीम इंडिया की ट्रेनिंग किट पहनी हुई है। ऐसे में प्रशंसकों को लग रहा है कि वे भले ही ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारी कर रहे हों, लेकिन आईपीएल भी उनके दिमाग में चल रहा होगा। रॉयल्स के साथ सैमसन के संबंध पहले जैसे नहीं रहे हैं। इसके अलावा कॉथिंग स्टाफ और प्रबंधन में भी बदलाव हुआ है ऐसे में सैमसन किसी और टीम से आईपीएल खेलने के प्रयास कर सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, आरआर के कप्तान सैमसन ने फ्रेंचाइजी से औपचारिक रूप से उन्हें ट्रेड करने या नीलामी में रिलीज करने की अपील की है।

विराट फिर शून्य पर लुढ़के, ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 2-0 की अजेय बढ़त



एडिलेड, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्लेयर ऑफ द मैच एडम जम्पा (60 रन पर चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी तथा मैथ्यू शार्ट (74) और कूपर कोनली (नाबाद 61) की शानदार अर्धशतकीय पारियों से ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ रोमांचक दूसरे वनडे में गुरुवार को दो विकेट से जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त बना ली।

भारत ने रोहित शर्मा (73), श्रेयस अय्यर (61) और अक्षर पटेल (44) की शानदार पारियों की मदद से निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट पर 264 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया, लेकिन विराट कोहली लगातार दूसरे मैच में शून्य पर लुढ़क गए। ऑस्ट्रेलिया ने विकेट गंवाने के बावजूद 46.2 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन बनाकर जीत और सीरीज अपने नाम कर ली। कोनली ने 53 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 61 रन की मैच विजयी पारी खेली। शार्ट ने 78 गेंदों पर 74 रन की संयमित पारी में चार चौके और दो छक्के लगाए।

मिचेल ओवेन ने 23 गेंदों पर 36 रन में दो चौके और तीन छक्के मारे।

मेजबान टीम ने सतर्कता के साथ शुरुआत की। हेड और मार्श ने शुरुआत में समय लिया और फिर मार्श आउट हो गए। हेड भी ज़्यादा नुकसान नहीं पहुंचा सके और राणा का शिकार बने। शॉर्ट ने रेंसों के साथ मिलकर पारी को संभाला और समय पर चौके जड़े। भारत ने भी शॉर्ट के दो कैच छोड़े, जो अपना अर्धशतक पूरा कर चुके थे। उनके आउट होने के बाद ओवेन आए और उन्होंने पारी को जल्दी खत्म करने की कोशिश की। कूपर कोनली दूसरे छोर पर अनुभवी बल्लेबाज़ी कर रहे थे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपना अर्धशतक पूरा किया और ओवेन तब आउट हो गए जब उन्हें कुछ ही रनों की ज़रूरत थी। बार्टलेट और स्टार्क भी आउट हो गए, लेकिन कोनली ने रन बनाना जारी रखा और अपनी टीम को जीत दिला दी। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर भारत के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी

रोहित शर्मा और कप्तान शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने अभी 17 रन जोड़े थे कि सातवें ओवर में जेवियर बार्टलेट ने शुभमन गिल (9) को मिचेल मार्श के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये स्टार क्रिकेटर विराट कोहली को जेवियर बार्टलेट ने पागबाधा कर बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। उन्होंने चार गेंदों का सामना किया और एक भी रन नहीं बना पाये। इसके बाद श्रेयस अय्यर ने रोहित शर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 118 रन जोड़े। 30वें ओवर में मिचेल स्टार्क ने रोहित शर्मा को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। रोहित शर्मा ने 97 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए 73 रनों की पारी खेली।

भारत का चौथा विकेट 160 के स्कोर पर श्रेयस अय्यर के रूप में गिरा। श्रेयस अय्यर ने 77 गेंदों में सात चौके लगाते हुए 61 रन बनाये। उन्हें एडम जम्पा ने बोल्ट आउट किया। के एल राहुल (11), वांशिंगटन सुंदर (12), नीतीश कुमार रूडी (आठ) रन बनाकर आउट हुये। अक्षर पटेल ने 41 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 44 रनों की पारी खेली। अर्शदीप सिंह 13 रन बनाकर नौवें विकेट के रूप में आउट हुये। उन्हें मिचेल स्टार्क ने बोल्ट आउट किया।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे भारतीय बल्लेबाज खुल नहीं पाये और अंतराल पर विकेट गंवाते रहे। भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 264 का स्कोर खड़ा किया। हर्षित राणा 18 गेंदों में 24 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जम्पा ने चार विकेट लिये। जेवियर बार्टलेट को तीन विकेट मिले। मिचेल स्टार्क ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप : स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने जड़े शतक, भारत का स्कोर 240 पार



इंदौर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईसीसी महिला वर्ल्ड कप के लीग मुकाबले में भारत ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ बड़ी साझेदारी निर्भाई है। ओपनर स्मृति मंधाना (109) और प्रतिका रावल (100) ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए 212 रन की साझेदारी की। खबर

लिखे जाने तक भारत का स्कोर 38.3 ओवरों में एक विकेट पर 240 रन है। उनके साथ जेमिमा रोड्रिज़ 15 रन बनाकर क्रीज़ पर हैं। प्रतिका रावल ने इस मैच में वनडे में सबसे तेज़ 1,000 रन बनाने के रिकॉर्ड की बराबरी की। इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की लिंडसे रीलर के नाम था, जिन्होंने 23 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। भारत के लिए यह मैच टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बेहद अहम है। टूर्नामेंट में भारत ने शुरुआती दो मुकाबले जीतकर शानदार शुरुआत की थी, लेकिन इसके बाद लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

इजराइल के जिम्नास्टों को बीजा न देने पर इंडोनेशिया को आईओसी की फटकार

लुसाने, 23 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने बुधवार को इंडोनेशिया को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि इजराइल के खिलाड़ियों को बीजा न देने के कारण अब इंडोनेशिया से भविष्य में किसी भी ओलंपिक या उससे जुड़े आयोजन की मेजबानी पर बातचीत नहीं की जाएगी।

दरअसल, जकार्ता में चल रही वर्ल्ड आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप (19 से 25 अक्टूबर) में इजराइली खिलाड़ियों को हिस्सा लेने के लिए बीजा नहीं दिया गया। इसके खिलाफ इजराइल जिम्नास्टिक फेडरेशन ने स्पोर्ट्स मध्यस्थता न्यायालय (सीएस) में अपील की थी, लेकिन सीएस ने इसे खारिज कर दिया। इसके चलते इजराइल के खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सके।

आईओसी की कार्यकारी बोर्ड ने कहा कि, सभी पात्र खिलाड़ी, टीमों और खेल अधिकारी बिना किसी भेदभाव के अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले सकें — यह मेजबान देश की जिम्मेदारी है।

आईओसी ने एक आधिकारिक बयान में भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की कि इंडोनेशिया की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ भविष्य में ओलंपिक खेलों, यूथ ओलंपिक, या किसी भी ओलंपिक आयोजन या सम्मेलन की मेजबानी



पर कोई वार्ता नहीं की जाएगी, जब तक कि इंडोनेशियाई सरकार यह सुनिश्चित न करे कि वह सभी देशों के खिलाड़ियों और अधिकारियों को प्रवेश की अनुमति देगी।

आईओसी ने यह सिफारिश भी की कि सभी अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघ इंडोनेशिया में किसी भी खेल आयोजन या बैठक की मेजबानी तब तक न करें जब तक सरकार आवश्यक गारंटी न दे दे। साथ ही, आईओसी ने इंडोनेशिया की एनओसी और इंटरनेशनल जिम्नास्टिक फेडरेशन को लुसाने स्थित मुख्यालय में बुलाया है ताकि इस पूरे मामले पर चर्चा की जा सके।

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने मोंडो डुप्लांटिस, ट्रेसचियांका, यान और झांग के विश्व रिकॉर्ड को दी मान्यता

नयी दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां) । वर्ल्ड एथलेटिक्स ने मोंडो डुप्लांटिस के नवीनतम विश्व पोल वॉल्ट रिकॉर्ड और तीन विश्व अंडर-20 रिकॉर्ड्स को आधिकारिक मान्यता दे दी है। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।

स्वीडन के मोंडो डुप्लांटिस ने टोक्यो में हुए विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में 6.30 मीटर को ऊंचाई पार करते हुए अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने 12 अगस्त 2025 को बुडापेस्ट में बनाए गए 6.29 मीटर के रिकॉर्ड में एक सेंटीमीटर का इजाफा किया। यह उनके करियर का 14वां विश्व रिकॉर्ड और लगातार तीसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब है।

डुप्लांटिस ने वर्ल्ड एथलेटिक्स के हवाले से कहा, यह मेरी कल्पना से भी बेहतर है। इस शानदार भीड़ के सामने विश्व रिकॉर्ड बनाना अविश्वसनीय है। मैं बेहद खुश हूँ।

इस प्रतियोगिता की खास बात यह रही कि



इतिहास में पहली बार सात खिलाड़ियों ने 5.90 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई पार की। वहीं 5.95 मीटर की छलांग इस बार पदक के लिए भी पर्याप्त नहीं रही।

चीन की झांग जियाले और यान जिया ने आरस्त में क्रूझो में हुए चीनी चैंपियनशिप में क्रमशः महिला अंडर 20 हेमर थ्रो और भाला फेंक में विश्व रिकॉर्ड बनाए।

18 वर्षीय झांग जियाले ने 2 अगस्त को 77.24 मीटर का थ्रो कर अपने ही पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (75.14 मी.) और 2021 में फिनलैंड की सिल्वा कोसोनेन द्वारा बनाए गए 73.43 मीटर के विश्व अंडर 20 रिकॉर्ड को तोड़ा। उन्होंने अपने आखिरी प्रयास में भी 76.15 मीटर का थ्रो किया। बाद में टोक्यो में उन्होंने 77.10 मीटर फेंककर विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

17 वर्षीय यान जिया ने अगले दिन, 3 अगस्त को, महिला 20 भाला फेंक में 65.89 मीटर का थ्रो कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने अपने ही

पिछले रिकॉर्ड 64.41 मीटर (क्रूझो 2024) और 64.83 मीटर (चेंगदू 2025) को पार किया।

पोलैंड के ब्रुबर्ट ट्रेसचियांका ने 8 आरस्त को यूरोपीय अंडर-20 चैंपियनशिप (टाम्पेरे, फिनलैंड) में पुरुषों की अंडर-20 डेकैथलन (दसक्रीड़ा) में 8514 अंकों के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया।

उन्होंने जर्मनी के निक्लास काउल के 2017 में बनाए गए 8435 अंकों के रिकॉर्ड को तोड़ा और इतिहास में पहली बार किसी अंडर-20 एथलीट ने 8500 अंकों का आंकड़ा पार किया।

ट्रेसचियांका के प्रदर्शन में

100 मीटर (10.74 सेकंड), लंबी कूद (7.26मी), गोला फेंक (15.48मी), ऊंची कूद (1.94मी), 400मी (46.21 सेकंड) 20 डेकैथलन (सर्वश्रेष्ठ), 110मी बाधा दौड़ (14.23 सेकंड), डिस्कस (43.36मी), पोल वॉल्ट: 4.80मी, भाला फेंक (68.87मी चैंपियनशिप सर्वश्रेष्ठ), और 1500मी (4:28.59 मिनट) शामिल थे।

विरोधियों की योजनाएं भी फेल हो जाएंगी। आपके कार्य की वजह लोग भी प्रशंसा करेंगे।

कुंभ - कारोबार के क्षेत्र में आपको न अवसर प्राप्त होंगे, जो लाभ दिलाने वाले साबित होंगे। बुध का गोचर आपके करियर भाव में होगा। जिससे रोजगार के क्षेत्र में लाभ मिलने के साथ-साथ आपके नाम की भी ख्याति होगी। कार्यक्षेत्र में आपके द्वारा किए गए प्रयास सफल होंगे और धन लाभ के भी शुभ योग बनेंगे। साथ ही, आपको भविष्य में भी भरपूर लाभ मिलेगा। व्यक्तिगत संबंधों में खुशहाली बनी रहेगी और रिश्ते मजबूत होंगे। जीवनसाथी के साथ भी आप अच्छा समय व्यतीत करेंगे और दोनों के रिश्ते मधुर होंगे।



इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म हक का नया गीत कुबूल रिलीज

बॉ लीवुड अभिनेता इमरान हाशमी और यामी गौतम की आगामी फिल्म 'हक' का फैंस इंतजार कर रहे हैं। उनके लिए मेकर्स ने बुधवार को इसका नया गाना 'कुबूल' रिलीज कर दिया। इसे 'पहले भी मैं' फेम विशाल मिश्रा ने इसका संगीत तैयार किया है। इस गाने को अरमान खान ने गाया है और इसके बोल कौशल किशोर ने लिखे हैं। यह प्यार की एक भावपूर्ण अभिव्यक्ति है जिसमें यामी और इमरान खामोशी और नजरों के जरिए प्यार का इजहार करते दिख रहे हैं। इस गाने को जंगली म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस गाने के बारे में बात करते हुए अभिनेता इमरान हाशमी ने एक बयान में कहा, जब संगीत किसी फिल्म की आत्मा बन जाता है, तो उसमें एक अलग ही जादू होता है। 'कुबूल' बिल्कुल वैसा ही करता है। विशाल ने एक ऐसी धुन गढ़ी है जो भावनाओं से भरपूर है और यह हमारी फिल्म की कहानी के मर्म को खूबसूरती से बयां करती है।

अभिनेत्री यामी गौतम ने कहा, 'कुबूल' वह दुर्लभ गीत है जो शांत जगहों में नजरों, अनकहे शब्दों और दर्द भरी खामोशियों के रूप में बसता है। यह मेरे किरदार की गहरी भावनाओं, उसकी कमजोरी, उसकी ताकत और उसकी चाहत को दर्शाता है। इसे प्रस्तुत करना सिर्फ प्यार का इजहार करने के बारे में नहीं था बल्कि अपने भीतर के एक खामोश तूफान को पढ़ें पर उतारने जैसा था। संगीतकार विशाल मिश्रा ने कहा, 'हक' का संगीत भावनाओं और भारतीय धुनों व रागों की शक्ति पर आधारित है। 'कुबूल' भारतीयता और आधुनिक अभिव्यक्ति में पिरोई गई प्रेम की अभिव्यक्ति है। मैं चाहता था कि यह गीत बिना कुछ बोले किरदारों की भावनाओं को दर्शाए। फिल्म 'हक' को सुपर्ण एस वर्मा ने डायरेक्ट किया है। इसमें शोबा चड्ढा, दानिश हुसैन और असीम हड्गडी जैसे कलाकार भी हैं। यह फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी मशहूर जर्नलिस्ट जिग्ना बोरा की बुक 'बानो: भारत की बेटी' पर आधारित है। इस फिल्म को जंगली पिक्चर्स, इंसोमनिया फिल्मस और बावेजा स्टूडियोज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

कॉमेडी का डबल डोज किस किस को प्यार करूँ-2 अब इस दिन होगी रिलीज



अभिनेता कपिल शर्मा एक बार फिर फिल्म कॉमेडी 'किस किस को करूँ' के सीक्वल के साथ हंसी का डबल डोज लेकर आ रहे हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए दी। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट के साथ मोशन पोस्टर जारी किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, तैयार हो जाइए दोगुनी मस्ती और चार गुनी हंसी के लिए। फिल्म 'किस किस को प्यार करूँ-2' हंसी का डबल डोज लेकर 12 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। रिलीज डेट की जानकारी सुन फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वह मोशन पोस्टर देख ये अंदाजा लगा रहे हैं कि कपिल शर्मा फिर से नई अभिनेत्रियों के साथ उलझन भरी जिंदगी और साथ ही कॉमेडी का तड़का लेकर आएंगे। फैंस अब फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हंसी से भरपूर कॉमेडी फिल्म का निर्देशन और लेखन अनुकल्प गोस्वामी ने किया है। फिल्म में कपिल शर्मा के साथ हीरा वारिना, पारुल गुलाटी, आयशा खान और त्रिशा चौधरी नजर आएंगी। साथ ही, कॉमेडी का तड़का लगाने के लिए मनजोत सिंह भी अहम किरदार में दिखेंगे। फिल्म का निर्माण रतन जैन, गणेश जैन, अब्बास-मस्तान और वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट मिलकर कर रहे हैं। कॉमेडी फिल्म 'किस किस को प्यार करूँ' साल 2015 में रिलीज हुई थी।

इस फिल्म के साथ कपिल ने फिल्मों में डेब्यू किया था। फिल्म का निर्देशन अब्बास-मस्तान और लेखन अनुकल्प गोस्वामी ने किया था। फिल्म की कहानी एक ऐसे आदमी की थी, जिसकी तीन पत्नियां होती हैं और तीनों सहेलियां होती हैं, लेकिन कपिल शर्मा को चौथी शख्स एली अवराम से प्यार हो जाता है। फिल्म में अरबाज ने भी छोटा-सा रोल अदा किया था। फिल्म में कपिल के अलावा, एक्ट्रेस एली अवराम, मंजरी फडनिस, सिमरन कौर मुंडी, साई लोकर और वरुण शर्मा भी थे। इसी के साथ ही कपिल अपकर्मिग फिल्म में नीतू और रिद्धिमा साहनी के साथ नजर आएंगे।

एकता कपूर के शो तुलसी में नजर आएंगे बिल गेट्स

स्मृति ईरानी का पॉपुलर टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' फैंस के बीच एक बार फिर फेमस हो गया है। सीरियल टीआरपी (टेलीविजन रेटिंग पॉइन्ट) की टॉप फाइव की रैंस में शामिल हो गया है। अब शो में एक इंटरनेशनल मेहमान की एंट्री होने वाली है, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर पहले ही बज बन चुका है। शो में गुरुवार को अरबपति बिल गेट्स तुलसी विरानी का किरदार निभा रही स्मृति ईरानी से खास बातचीत करने के लिए आ रहे हैं। स्टार प्लस ने सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' का नया प्रोमो शेयर किया है, जिसमें तुलसी लैपटॉप पर बिजनेसमैन बिल गेट्स का स्वागत कर रही हैं और बिल गेट्स भी तुलसी विरानी से हिंदी में बात कर रहे हैं। नए प्रोमो के मुताबिक गुरुवार की रात के एपिसोड में बिल गेट्स का कैमियो रखा गया है। वे कुछ देर के लिए शो से जुड़ेंगे और बच्चे के स्वास्थ्य के मुद्दे पर बात करेंगे। प्रोमो को शेयर कर जानकारी दी गई कि एपिसोड में आज नया सेहत का, संवेदना का और बदलाव का रिश्ता जुड़ने वाला है, जिसमें हर मां और हर बच्चा सुरक्षित रहे, इस गंभीर मुद्दे



पर बात होगी।

बिल गेट्स की 'बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन' गर्भवती

महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता फैलाती है। इसी उद्देश्य को पूरा करते हुए बिल गेट्स और तुलसी विरानी चर्चा करने वाले हैं। ऐसा पहली बार हुआ है जब एकता कपूर के शो में किसी इंटरनेशनल पर्सनैलिटी को देखा गया।

प्रोमो सामने आने के बाद एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, पहली बार भारतीय टेलीविजन पर बिल गेट्स का शो देखने को मिल रहा है, बहुत बढ़िया तुलसी जी आप तो अनुपमा से भी आगे निकल गई। एक अन्य यूजर ने लिखा, जय श्री कृष्णा बोलते हुए बिल गेट्स कितने प्यारे लग रहे हैं। बता दें कि शो हर रात 10 बजकर 30 मिनट पर स्टार प्लस पर प्रसारित होता है।

शो में अभी तक कई गंभीर समाजिक मुद्दों को उजागर किया गया है। शो की कहानी तुलसी के मोटापे से शुरू हुई थी, जिसके बाद घरेलू हिंसा, एक्सट्रा मैरिटल अफेयर और उम्र संबंधी समस्याओं को कहानी के रूप में दिखाया गया। इन्हीं वजहों से सीरियल आज 'अनुपमा' को टक्कर दे रहा है, जो हमेशा टीआरपी चार्ट में टॉप वन पर विराजमान रहता है।

अच्छे पार्टनर की तलाश में शहर से पंजाब के पिंड पहुंचीं शहनाज गिल

फिल्म एक कुड़ी का ट्रेलर हुआ

अपने चुलबुले अंदाज से सबका दिल जीतने वाली अदाकारा शहनाज गिल अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एक कुड़ी' लेकर आ गई हैं। एक्ट्रेस की नई फिल्म का शानदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है और रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर ट्रेलर छा गया है। इतना ही नहीं, हिना खान ने खुद फिल्म के ट्रेलर की भर-भरकर तारीफ की है। शहनाज गिल की पंजाबी फिल्म 'एक कुड़ी' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में एक्ट्रेस एक अच्छे जीवनसाथी की तलाश में शहर से पंजाब के पिंड में पहुंच जाती हैं और पता लगाती हैं कि जिससे उनकी शादी होने वाली है, असल में वो लड़का कैसा है। ट्रेलर में शहनाज को एक अच्छे जीवनसाथी की तलाश है और वे उसके लिए अपने पूरे परिवार का साथ पाती हैं, जो लड़के को उसके गांव जाकर परखता है। फिल्म में फैमिली कॉमेडी से लेकर एक लड़की की शादी से पहले महसूस

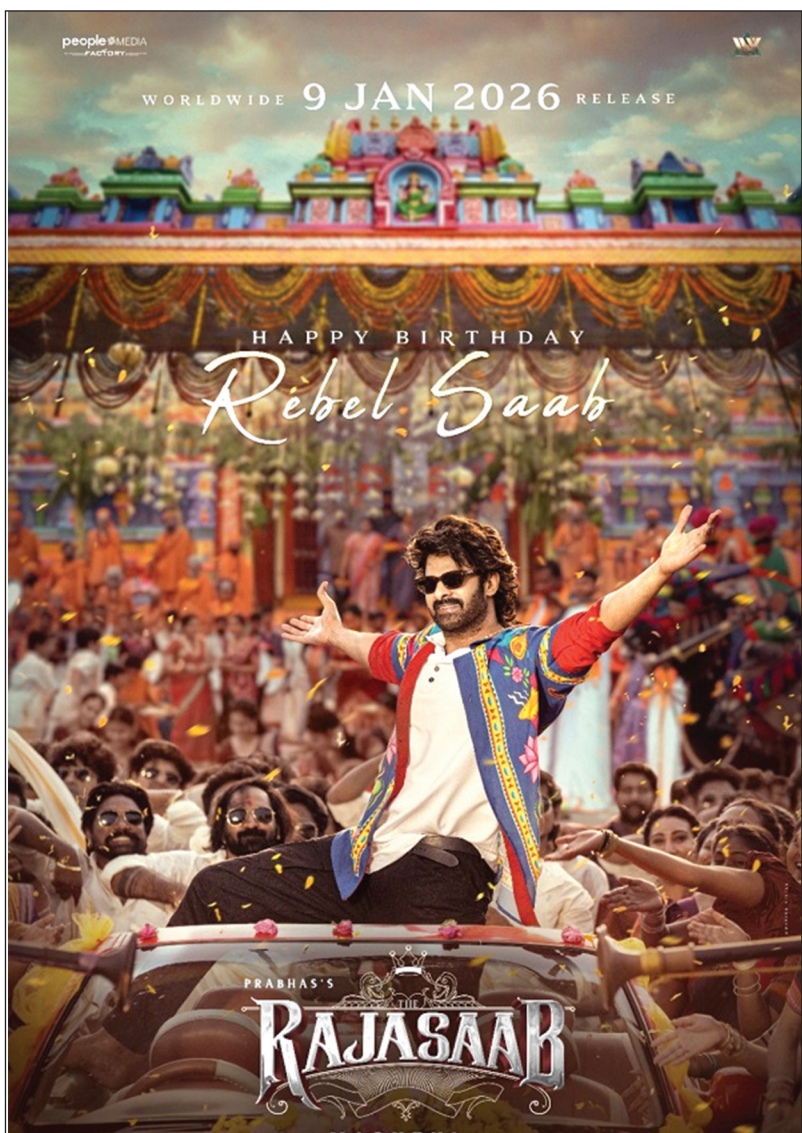


किए जाने वाले अनुभव और डर को दिखाया गया है। फैंस भी ट्रेलर को देखकर अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, वाह, सचमुच बहुत बढ़िया ट्रेलर, शहनाज कमाल की और बहुत खूबसूरत लग रही हैं, फिल्म का इंतजार रहेगा। एक अन्य यूजर ने लिखा, गजब, क्या ट्रेलर है सब कुछ एकदम सही, कहानी और गाने बहुत पसंद आ रहे हैं।

बता दें कि फिल्म के गाने ट्रेलर रिलीज से पहले ही रिलीज कर दिए गए हैं। फिल्म में एक गाना शहनाज ने पंजाबी सिंगर यो-यो हनी सिंह के साथ भी फिल्माया है, जिसे फैंस का बंपर रिएक्शन मिला है। फिल्म 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। हिना खान ने फिल्म का ट्रेलर शेयर कर फैंस से इसे देखने की अपील की है। उन्होंने शहनाज की फिल्म और एक्टिंग दोनों की तारीफ की है।

फिल्म की कास्ट की बात करें तो फिल्म में पंजाब इंडस्ट्री के कई दिग्गज कलाकारों को देखा गया है। फिल्म में शहनाज के अलावा निर्मल ऋषि, सुखी चहल, गुर्नर मकना, जस, उदयबीर संधू, गुरदयाल पारस, जस दिह्लों, विशु उप्पल और गुपरीत सिंह कई स्टार्स मौजूद हैं। फिल्म को प्रोड्यूस कौशल जोशी, शहनाज गिल और अमरजीत सिंह सरोन ने किया है और फिल्म को अमरजीत सिंह सरोन ने लिखा और डायरेक्ट किया है।

द राजा साब का पहला लुक – प्रभास ने बर्थडे पर मचाया तूफान



इस दिवाली, जब बाकी स्टार्स लाइट्स और पार्टीज़ एंजॉय कर रहे थे, प्रभास और उनकी टीम ने ग्रीस के खूबसूरत आइलैंड्स पर अपनी ही फायरवर्क्स क्रिएट की एक ग्रैंड साइंग सीकेंस शूट करते हुए, जिसमें दो शानदार सॉन्स, ऐंज्योर वॉटर्स और सन-ड्रैचड बैकड्रॉप्स के साथ, पूरा विजुअल फेस्ट तैयार हो गया। और अब, रिबेल स्टार प्रभास के बर्थडे के परफेक्ट टाइमिंग पर, मेकर्स ने ड्रॉप किया पहला पोस्टर ऑफ द राजा साब, जो फैंस को पूरी तरह से फ्रेनजी में डाल रहा है।

पोस्टर में प्रभास, रिबेल साब के रूप में, कार के ऊपर खड़े हैं, हाथ फैलाए हुए, रंग-बिरंगे फ्लोरल जैकेट में, डार्क शेड्स और वही आइकोनिक रिबेल ग्रिन के साथ। पीछे का मंदिर और खुशहाल भीड़ पूरे फेस्टिवल का फील दे रहे हैं। फिल्म हॉर, रोमांस और कॉमेडी का परफेक्ट कॉम्बो है। ट्रेलर ने भी पहले ही सोशल मीडिया को सेट कर दिया था, संजय दत्त के मिस्टेरियस एक्सॉसिस्ट-सायकोलॉजिस्ट-हिप्नोटिस्ट रोल के साथ, और बॉमन ईरानी और ज़रीना वहाब के साथ फुल-ऑन एंटरटेनमेंट का प्रॉमिस! अब बस फाइनल शेड्यूल बचा है, और शुरूआती झलकियाँ से लगता है कि प्रभास का हॉर-फैंटेसी आउटिंग एक मेगा सेलेब्रेशन बनेगा, पूरी तरह रिबेल स्टाइल में।

मारुति द्वारा निर्देशित और लिखित, द राजासाब का निर्माण पीपल मीडिया फैक्ट्री और आईवी एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। प्रभास, मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार, संजय दत्त और बोमन ईरानी जैसे कलाकारों से सजी इस फिल्म में 9 जनवरी 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होने की उम्मीद है।



❖ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❖

पं.चिदम्बर मिश्र (टिड्डू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान,
भागवत कथा एवं मूल पाठ्यार्ण,
वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश, शतघंटी, विवाह,
कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष
सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं

फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबागंज,
हैदराबाद, (तेलंगाना)

9246159232, 9866165126

chidamber011@gmail.com

चंडीगढ़, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नाथ बंसल सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्री मेट्रिक व पोस्ट मेट्रिक स्कॉलरशिप के तहत किसी भी विद्यार्थी की स्कॉलरशिप राशि न छूटे इसके अलावा हरियाणा भवन स्थित नावासीय आयुक्त यह सुनिश्चित करें कि केंद्रीय मंत्रालयों के द्वारा प्रेषित ज्ञात राशी स्क्रीमों की समीक्षा लेने के लिए संबंधित मंत्रालयों के अधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर रखें और प्रदेश सरकार के विभागों को भी इस बारे में नियमित रूप से सूचना प्रदान कराएं। साथ ही स्कूल व कॉलेजों के प्रिंसिपल भी विद्यार्थियों को योजनाओं की जानकारी दें और उनके स्कॉलरशिप के ऑनलाइन फार्म भी भ्रमाभा सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री आज सिविल सेवा विभाग, चंडीगढ़ में एससी व

बीसी विद्यार्थियों को दी जाने वाली स्कॉलरशिप योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है कि कोई भी मेधावी व जरूरतमंद छात्र आर्थिक तंगी के कारण अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़े। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप योजनाओं की जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए और इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही भी की जाए। उन्होंने कहा कि हर स्कूल और कॉलेज में सूचना बोर्ड लगाए जाएं, जिन पर सभी छात्रवृत्ति योजनाओं की पूरी जानकारी साफ-साफ लिखी हो ताकि विद्यार्थियों को फार्म भरने और आवेदन की प्रक्रिया में कोई कठिनाई न हो। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे योजनाओं की ग्राउंड मॉनिटरिंग करें और समय-समय पर समीक्षा रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपें, ताकि प्रदेश सरकार अपनी 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी विद्यार्थियों के खातों में डाल सकें और शेष 60 प्रतिशत केंद्र की हिस्सेदारी सीधे डीबीटी के माध्यम से विद्यार्थियों के खाते में आ सके। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को दाखिले के समय ही काउंसिलिंग के दौरान अधिकारी विद्यार्थियों के व उनके अभिभावकों को जानकारी दें कि यदि वे स्कॉलरशिप योजना के पात्रता में आते हैं तो विद्यार्थी का बैंक खाता आधारभूत रूप से लिंक करवाएं, ताकि उन्हें समय पर स्कॉलरशिप मिल सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विशेष ध्यान देश के युवाओं के क्वालिटी डेवलपमेंट (कोशल विकास) पर केंद्रित है, ताकि हर युवा

चंडीगढ़, 23 अक्टूबर (एएनएसिया)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह खान ने कहा है कि राज्य सरकार जनता को निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए गतिशील प्रयासरत है। इसी कड़ी में यह निश्चित किया जा रहा है कि प्रदेश के किसी भी सरकारी अस्पताल या स्वास्थ्य संस्थान में चिकित्सा उपकरणों और मशीनों की कोई कमी न रहे। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि आवश्यकता के अनुसार उपकरणों और आधुनिक मशीनों की खरीद की जा रही है तथा 'समय-समय पर' स्वास्थ्य में भेजा जा रहा है। हाल ही में प्रदेश के छह जिलों-पंचकुला, नारनौल, पानीपत, रेवाड़ी, सोनीपत और गुरुग्राम-के सरकारी अस्पतालों में नई अल्ट्रासाउंड मशीनें लगी गई हैं। इन मशीनों के इंस्टॉलेशन का कार्य पूरा होने के बाद जल्द ही मरीजों की जांच शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (क्वडउड) के माध्यम से हाल ही में अनेक आवश्यक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और मशीनों की खरीद के लिए दो (रेंट) तय की गई थीं। अब उन्हीं के तहत राज्य के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में उपकरणों की आपूर्ति आरंभ कर दी गई है। आरती सिंह खान ने बताया कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के सभी स्तरों पर आवश्यक संसाधनों का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक मशीनों के आने से जांच प्रक्रिया और अधिक सटीक एवं तेज़ होगी। जिससे मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और आने वाले समय में अन्य जिलों के अस्पतालों में भी नई मशीनें भेजी जाएंगी, ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को समान स्तर की चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

जयपुर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। नाहरगढ़ की ऊंची पहाड़ियों पर संडे जयपुर वैक्स म्यूजियम में गुरुवार का दिन भावनाओं से भरा हुआ था। लौकीका था - महावीर चक्र से सम्मानित ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह की जयंती का, और इस अवसर पर उनकी वैक्स प्रतिमा का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में उनकी बेटी और राजस्थान की उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने अपने पिता की वैक्स मूर्ति का अनावरण किया। जैसे ही परदा हटाया गया, यहां मौजूद सभी लोगों ने तालियों से स्वागत किया, जबकि दीया कुमारी की आंखें नम हो उठीं। उन्होंने कहा - यह मेरे लिए गर्व और भावनाओं से भरा क्षण है। मेरे पिताजी केवल हमारे परिवार के नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव थे। उनका यह वैक्स स्टेच्यू देखकर ऐसा लगा मानो वे मेरे सामने खड़े हैं। मैं जयपुर वैक्स म्यूजियम और सभी कारीगरों की आभारी हूँ जिन्होंने इतनी सजीव प्रतिमा बनाई। ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह न केवल जयपुर राजघराने के उत्तराधिकारी थे, बल्कि भारतीय सेना के एक बहादुर योद्धा भी थे। उन्होंने 1971 के

झालावाड़, 23 अक्टूबर (एजेंसियाँ)। सरकारी खजाने को करोड़ों का चूना लगाने वाले एक पुलिस अंतर्राज्यीय साइबर फ्रॉड गिरोह का झालावाड़ जिले में अपरेेशन साइबर के तहत पर्दाफास किया गया। यह देश में पहली बार हुआ है जब केंद्र और राज्य की संयुक्त कल्याणकारी योजनाओं (जुवू किसान सम्मान निधि, प्रशस, मुआवजा आदि) में इतनी बड़ी धोखाधड़ी का पर्दाफास किया गया है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के नेतृत्व में 70 पुलिस बलों में 70 घंटे लगातार जागकर 600 ठिकानों में गिरोह में फैले 30 ठिकानों पर एक साथ छापा मारा और 10 करोड़ के मास्टरमांड सहित 30 आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरोह का सरगना दौसा निवासी रामावतार सैनी,

प्रदर्शन-पाक युद्ध में विशेष साहस का प्रदर्शन किया था, जिसके लिए उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। उनका योगदान केवल सैन्य क्षेत्र तक सीमित नहीं था - उन्होंने जयपुर की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाई। जयपुर वैक्स म्यूजियम में यह प्रतिमा एक विशेष सेशन में लगाई गई है, जिसे राजसी और वीरता का संगम शीर्षक दिया गया है। यहां राजस्थान के ऐतिहासिक शक्तिशाली देश के साथ-साथ देश के महान नेताओं और कलाकारों की भी प्रतिमाएं प्रदर्शित हैं। म्यूजियम के संस्थापक अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि सवाई भवानी सिंह की प्रतिमा को तैयार करने में हमीनो का समय लगा। उनका वर्दी, मेडल, और चेहरे के भावों को बारीकी से रिसर्च कर तैयार किया गया ताकि मूर्ति में 'जीवंतता' झलके। दीया कुमारी की अपील - नई पीढ़ी को जानना चाहिए अपने नायकों को। दीया कुमारी ने इस मौके पर कहा कि मेरे पिता जैसे देशभक्तों की कहानियां आज की युवा पीढ़ी तक पहुंचनी चाहिए। म्यूजियम इस दिशा में शानदार काम कर रहा है, जो न केवल पर्यटन को बढ़ावा देता है, बल्कि इतिहास को जीवंत भी बनाए रखता है।

आत्मनिर्भर बन सके और अपनी प्रतिभा का पूरा उपयोग कर सके। इसी दिशा में हरियाणा सरकार भी राज्य के विद्यार्थियों, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से जुड़े अनुसूचित जाति (एससी) और पिछड़ा वर्ग (बीसी) के युवाओं के कौशल को निखारने पर विशेष बल देगी। सरकार का लक्ष्य है कि ये विद्यार्थी न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करें बल्कि रोजगार योग्य बनें और आत्मसम्मान के साथ समाज में अग्रणी भूमिका निभाएं। बैठक में उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विनीत गर्ग ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि स्कॉलरशिप योजनाएं उच्चतर शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण, पशुपालन एवं डेयरी, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष विभागों द्वारा चलाई जा रही हैं।

चंडीगढ़, 23 अक्टूबर (एजेंसियाँ)। हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन 025 - 26 के दौरान किसानों के बतों में अब तक 90,29,39 करोड़ रुपये की अदायगी उनके बैंक खातों सीधे स्थानांतरित की जा चुकी है। स तरह सरकार ने किसानों को धनूनतम सरकारी मूल्य का भुगतान निश्चित किया है। हरियाणा के खाद्य, कहा कि अब तक राज्य भर की मंडियों में कुल 49,94,349 लाख मीट्रिक टन धान की अवक हनु है। उन्होंने बताया कि विभिन्न जिलों की मंडियों से अब तक 40,22,926 लाख मीट्रिक टन धान का उठान हो चुका है। अब तक मंडियों से 48,44,073 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि राज्य में धान की संस्थाओं द्वारा धान की खरीद के लिए पुष्ता प्रबंध किये हुए हैं और धान के उठान कार्य में भी तेज़ी लाय जा रही है। उल्लेखनीय है कि राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा खरीद किये गए धान के भारत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम सम्भरन मूल्य की अदायगी किसानों के बैंक खातों में सीधे तौर पर स्थानांतरित की जाती है। भारत सरकार द्वारा धान के



जसियों द्वारा धान की खरीद की जा रही है। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि धान की फसल बेचने किसानों को किसी प्रकार की सुविधा न हो। 'मेरी फसल मेरा धौता' पोर्टल पर पंजीकृत किसानों से धान की खरीद की जा रही है। राज्य में अब तक 'मेरी फसल मेरा ब्यौता' पोर्टल पर पंजीकृत 2,52,693 किसानों से धान की खरीद की गई है। प्रवक्ता ने	खरीद भारत सरकार द्वारा धान की खरीद न्यूनतम समर्थन में करती हुए फसल का भुगतान किसानों के बैंक खातों में सीधे तौर पर स्थानांतरित किया जाता है। सरकार द्वारा किसान भाइयों से बार - बार अपील की जा रही है कि वे अपनी फसल की मंडी में अच्छी तरह सुखाकर भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों (जैसे कि नमी 17 प्रतिशत) की सीमा अनुसार लेकर आएँ। राज्य की खरीद	किसानों से अपील की है कि किसान मंडी में अपनी धान की फसल सुखाकर ही लाएं ताकि किसानों को फसल का सही समय पर उचित मूल्य मिल सके। जिलों के प्रशासन को अपने - अपने क्षेत्र की अनाज मंडियों का समय - समय पर निरीक्षण करते रहे के के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसानों को धान की फसल बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े।
---	--	--

बालोतरा, 23 अक्टूबर (एजेंसिया)। बालोतरा जिले के टांपरा गांव की पनौतरी नाड़ी में महिला ने तीन बच्चों के साथ सुसाइड कर लिया। महिला ने बच्चों के साथ टांके में कूदकर जान दे दी। घटना की सूचना मिलते ही जसोल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को बाहर निकाला। टांपरा जेबेसाई मन्ना (32) पत्नी अणुदामा पटेल, देवेंद्र नवीन (7), रूग्गामा (4) और 6 माह की बेटी मानवी के शव टांके में मिले हैं। घटना की सूचना पर पुलिस गांव पहुंची और शवों को टांके से बाहर निकलवाया। डीएसपी नीरज शर्मा ने बताया-वृद्धताछ में सामने आया है कि मक्का टांपरा गांव से करीब 3 किलोमीटर दूर पनौतरी नाड़ी में खेत पर पिछले 10 दिन से परिवार के साथ रह रही थी। वह अपनी सास और दादी सास के साथ खेत में फसल कटाई का काम करने आई थी।

कोटा, 23 अक्टूबर (एएसिया)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को राजस्थान में कोटा स्थित कैप कार्यालय संसदीय क्षेत्र में चल रही और प्रस्तावित पेयजल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में श्री बिरला ने कहा कि पेयजल उपलब्धता जनजीवन की मूलभूत आवश्यकता है और विकास का आधार भी। नका प्रयास है कि कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र का कोई भी गांव या वार्ड जल अभाव से मुझता न रहे। बैठक में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी और वृषभधायक संदीप शर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक में क्षेत्र की प्रमुख पेयजल योजनाओं जैसे समुदाय 2.0, ताकली बाँध परियोजना और नवनेरा वृहद पेयजल योजना की प्रगति पर वस्तुतः चर्चा हुई। श्री बिरला ने कोटा उत्तर और कोटा दक्षिण निगम क्षेत्रों के लिए 395 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित अर्धत 2.0 योजना के कायदेशि शीघ्र जारी करने की निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस योजना के पूर्ण होने पर कोटा शहर के लाखों परिवारों को शुद्ध और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने बैठक में 111 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित ताकली बाँध परियोजना की भी चर्चा की और इसके कायदेशि शीघ्र जारी करने को कहा। उन्होंने कहा कि परियोजना के पूर्ण होने से रामगंजमंडी के शरी क्षेत्र सहित आसपास के 185 गांवों को नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। इसके अलावा, अम्बा कुई इन्टेक वेल से एकलिंगपुरा जल संशोधन संयंत्र तक पाइपलाइन बढ़ाने के लिए 14 करोड़ 50 लाख रुपये की परियोजना पर भी चर्चा की गयी। श्री बिरला ने कहा कि इस कार्य से जल उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी और रामगंजमंडी और आसपास के क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति और सुचारु हो सकेगी। बैठक में बिरला ने मंत्री कन्हैयालाल चौधरी से नवनेरा वृहद पेयजल परियोजना के कायदेशि शीघ्र जारी करने को कहा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से कोटा के 384 गांव, बूंदी के 363 गांव और केशोरापाटन, कारपेन, लाखरी और इंदूरवाड़ा जैसे शरी क्षेत्रों के हजारों लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि यह योजना क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी जल संकट के समाधान के लिए महत्वपूर्ण है। बैठक में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने बताया कि सभी प्रस्तावित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को आश्वासन दिया कि सभी योजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाएगा, ताकि कोटा-बूंदी क्षेत्र के हर परिवार को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

डिप्टी कमिश्नर ने हसनम्बा मंदिर में अग्नि-चलन अनुष्ठान में भाग लिया

हसन/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के हसन शहर स्थित प्रसिद्ध हसनम्बा मंदिर परिसर में गुरुवार को हसन ज़िले की उपायुक्त (डीसी) के.एस. लता कुमारी ने साहसिक अग्नि-चलन अनुष्ठान में भाग लेकर सबका दिल जीत लिया। इस अनुष्ठान में उनकी भागीदारी को श्रद्धालुओं की व्यापक सराहना मिली है और डीसी लता कुमारी का जलते अंगारों पर चलते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। बुधवार रात देवी हसनम्बा के सार्वजनिक दर्शन के समापन के बाद गुरुवार सुबह हसनम्बा मंदिर परिसर में पारंपरिक केंदोत्सव (अग्नि-चलन अनुष्ठान) का आयोजन किया गया। हसन की उपायुक्त लता कुमारी ने जलते अंगारों पर नंगे पैर चलकर इस अनुष्ठान में भाग लिया। हसनम्बा मंदिर के गर्भगृह को इस वर्ष के लिए बंद करने से पहले मंदिर की सदियों पुरानी परंपराओं के तहत केंदोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। ऐतिहासिक हसनम्बा मंदिर में श्रद्धालुओं के दर्शन बुधवार को संपन्न हुए और अंतिम अनुष्ठान के बाद गर्भगृह के द्वार



बंद कर दिए जाएंगे। अगले वर्ष श्रद्धालुओं के लिए द्वार फिर से खोले जाएंगे। गर्भगृह के द्वार बंद होने से पहले, सिद्धेश्वर स्वामी रथ उत्सव और पारंपरिक अग्नि-यात्रा समारोह बड़ी श्रद्धा और उत्सव के साथ आयोजित किया गया। लता कुमारी ने जलते अंगारों पर चलने के बाद मीडिया को बताया, पवित्र कलश लिए भक्तों

को अंगारों पर चलते देखकर मुझे भी ऐसा करने की प्रेरणा मिली। मैं पहले कभी आग पर नहीं चली थी। शुरुआत में मुझे डर लगा, लेकिन ईश्वर में विश्वास रखते हुए, मैंने हाथ जोड़े और चल पड़ी। मुझे कुछ नहीं हुआ। गुलाबी चूड़ीदार पहने लता कुमारी का मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में

उपस्थित भक्तों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। एक वरिष्ठ भक्त ने उन्हें अंगारों को पार करने में मदद की और जलते अंगारों पर चलने के बाद, उन्होंने इस अवसर का जश्न मनाया। कर्नाटक के हसन जिले में 13 दिनों तक चलने वाला ऐतिहासिक हसनम्बा उत्सव बुधवार को संपन्न हुआ। राज्य के मशहूर हस्तियों, फिल्म अभिनेत-

1ओं और प्रमुख राजनेताओं सहित लगभग 26 लाख भक्तों ने मंदिर में दर्शन किए और भगवान के दर्शन किए। विशेष दर्शन टिकटों और लड्डू प्रसाद की बिक्री से मंदिर प्रशासन ने 20 करोड़ रुपये का राजस्व एकत्र किया।

हसनम्बा जात्रा महोत्सव के उद्घाटन के अवसर पर 9 अक्टूबर को ऐतिहासिक मंदिर के द्वार खोले गए। भक्तों के केवल इस वार्षिक उत्सव के दौरान ही देवी के दर्शन का अवसर मिलता है। शेष वर्ष मंदिर बंद रहता है। भक्तों की सही संख्या और कुल राजस्व के बारे में प्रशासन द्वारा अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। हसनम्बा मंदिर से जुड़ा मुख्य चमत्कार भोजन और फूलों जैसे चढ़ावे का संरक्षण है, जो मंदिर बंद होने पर अंदर रखे जाने के बाद पूरे वर्ष ताज़ा और अक्षुण्ण रहते हैं। इस दौरान देवी के सामने पारंपरिक दीपक भी प्रज्वलित रहता है। दिवाली के मौसम में मंदिर केवल कुछ दिनों के लिए ही खुलता है, और इस संरक्षण की घटना को देवी की दिव्य उपस्थिति का प्रमाण माना जाता है।



बेंगलूर/शुभ लाभ ब्यूरो। दीपावली के शुभ अवसर पर महावीर इंटरनेशनल बेंगलूर सेंटर अक्कीपेट द्वारा 32वां अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अन्नदान कार्यक्रम में 500 से ज्यादा लाभार्थियों को प्रसाद के रूप में ताज़ा भोजन एवं मीठाई परोसी गई। अन्नदान कार्यक्रम में विभिन्न गणमान्य व्यक्ति और संघटन के सदस्य शामिल हुए।, अनेक गणमान्य लोगों कि एवं सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई जिन्होंने इस सेवा के कार्य को सफल बनाने के लिए मिलकर काम किया। महावीर इंटरनेशनल बेंगलूर सेंटर के अध्यक्ष विजय राज सिसोदिया ने सभी सदस्यों, प्रोजेक्ट चेयरमैन आशीष बफाना एवं प्रयोजक राजलकी कार्ड पदम भूट परिवार का आभार व्यक्त किया, कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल के उपाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, कोषाध्यक्ष पदम भूट, महामंत्री आशिक पिरगल ने सहयोग दिया।

मुंगेर-बेगूसराय में पीएम मोदी की रैली को लेकर हाई अलर्ट

मुंगेर/बेगूसराय (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बेगूसराय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 24 अक्टूबर को होने वाली सभा को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। एनडीए कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है, वहीं प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह सतर्क है। पीएम मोदी की सभा को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी स्तरों पर तैयारियां जारी हैं। इसी बीच कार्यक्रम स्थल उलाव एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी बेगूसराय में चुनावी सभा करेंगे, तो झूठे वादे और वोट काटने वाली पार्टियों का मनोबल धराशायी हो जाएगा। गिरिराज सिंह ने दावा किया कि बेगूसराय की सातों विधानसभा सीटों पर एनडीए की जीत तय है और बिहार में एक बार फिर एनडीए की मजबूत सरकार बनेगी। गिरिराज सिंह ने महागठबंधन पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि लालू प्रसाद यादव के काफी मित्रों के बाद आखिरकार तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव का घो-

षणापत्र पूरी तरह से छलावा है। जीबिका दीदियों को 30,000 रुपये महीना देने का वादा महज चुनावी भ्रम है। उन्होंने सवाल उठाया कि तेजस्वी यादव अपने पुराने वादों, जैसे शिक्षकों को इंसमान काम का समान वेतन द्ध देने की बात पर कब तक चुप रहेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए देहाती अंदाज़ में कहा, किसी के आने से कुछ नहीं होगा, मुंस मोटहेय ल होई हैं। इन्हें उनका कहना था कि कांग्रेस और महागठबंधन के नेता बेगूसराय आकर भी जनता को प्रभावित नहीं कर सकते।

सीएम सिद्धारमैया के अमावस्या कहने पर भड़के भाजपा सांसद सूर्या

ये उनकी तुष्टिकरण की कोशिश

बेंगलूर / शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया पर पलटवार किया है। दरअसल सीएम सिद्धारमैया ने हाल ही में अपने एक बयान में भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या पर निशाना साधते हुए उन्हें अमावस्या कह दिया था। अब इसे लेकर तेजस्वी ने पलटवार किया है और कहा है कि सीएम शायद उन लोगों को खुश करना चाहते हैं, जो अपनी खुशियों के लिए चांद देखते हैं।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा, 'मुख्यमंत्री मुझ पर निजी हमले कर रहे हैं, इससे उनके पद को शोभा नहीं देता। पूर्णिमा हो या अमावस्या, धूप खिली रहती है। शायद यह उन लोगों के को खुश करने की कोशिश है जो अपनी खुशियों के लिए चांद



देखते हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि 'एक भी सड़क गड्ढों से मुक्त नहीं है। शहर में एक किलोमीटर की भी अच्छी सड़क नहीं है और ये सरकार कचरा मुक्त शहर देने में असमर्थ है। हाल ही में शहर में दुष्कर्म की तीन घटनाएं हुईं। कर्नाटक से 15 अरब डॉलर का निवेश चला गया और राज्य के आईटी मंत्री संघ पर प्रतिबंध लगाने में व्यस्त हैं।' मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र के बयान पर, भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा, 'मुख्यमंत्री के बेटे ने संकेत दिया

है कि उनके पिता का समय समाप्त हो गया है। कर्नाटक में चुपचाप कुर्सी का खेल चल रहा है। यह सरकार सत्ता में वापस नहीं आएगी। साथ ही, प्रियांक खरो को राज्य से निवेश खोने के सवालों पर जवाब देना चाहिए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को अपने एक बयान में कहा, 'हमें केंद्र सरकार से एक रुपया भी नहीं मिलता। मुंबई और दिल्ली के अलावा, हम सबसे ज्यादा टैक्स देते हैं; शहर में रहने वाले लोगों को पता होना चाहिए कि कर्नाटक

केंद्र को जो भी रुपया देता है, उसमें से हमें टैक्स के तौर पर सिर्फ 14-15 पैसे ही वापस मिलते हैं। क्या यह काफी है?

सीएम ने आरोप लगाया कि अगर राज्य सरकार ज्यादा पैसे मांगती है तो मामले का राजनीतिकरण किया जाता है। जीएसटी दरें घटाने पर तंज कसते हुए सीएम ने कहा कि 'वे (भाजपा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोटो लगाकर कह रहे हैं कि यह दिवाली का गिफ्ट है। क्या यह ईसाफ है?

मुख्यमंत्री ने कहा, लोग बीजेपी को वोट देते हैं, लेकिन पार्टी नेत-1ओं ने कर्नाटक के साथ हुए अन्याय पर कभी सवाल नहीं उठाया और न ही राज्य को मिलने वाले ज्यादा फंड की मांग की। दक्षिण के सांसद (तेजस्वी) सूर्या हैं, मैं उन्हें 'अमावस्या' कहता हूं। यहां तक कि दूसरी सांसद शोभा करंदलके, उन्होंने भी इस मामले में कभी मुंह नहीं खोला।

बेंगलूर / शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के कालाबुरगी जिले के आलंद विधानसभा क्षेत्र में हुए 'वोट चोरी' कांड की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। स्पेशल इन्-वेस्टिगेशन टीम ने पाया है कि साल 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाता सूची से वोट डिलीट करने की साजिश रची गई थी। जांच में सामने आया कि प्रत्येक हटाए गए वोट के लिए संदिग्धों को 80 का भुगतान किया गया था। अब एसआईटी ने इस घोटाले में छह लोगों को मुख्य संदिग्ध मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, आलंद क्षेत्र में करीब 6,994 वोट डिलीट करने के लिए आवेदन दिए गए थे। इनमें से ज्यादातर फर्जी थे। यह क्षेत्र कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरो के गृह जिला है और यहां से कांग्रेस विधायक



बीआर पाटिल चुने गए हैं। पाटिल और मंत्री प्रियांक खरो ने इस साजिश का खुलासा किया था और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को इसकी जानकारी दी थी। पाटिल के मुताबिक, डिलीट करने के लिए जो वोट चुने गए थे, वे अधिकतर दलित और अल्पसंख्यक वर्ग से जुड़े कांग्रेस समर्थक थे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कई हफ्ते पहले नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस 'वोट चोरी' कांड को गंभीर चुनावी अपराध बताते हुए चेतावनी दी थी। राहुल गांधी ने आलंद के उदाहरण का हवाला देते हुए कहा कि मतदाता सूची से जानबूझकर वोट हटाने की

कोशिशें लोकतंत्र के साथ धोखा हैं।

इसी के बाद कर्नाटक सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया, जिसकी जिम्मेदारी सीआईडी के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस बीके सिंह को सौंपी गई। एसआईटी ने अब तक करीब 30 लोगों से पूछताछ की है, जिनमें से पांच से छह लोगों को मुख्य आरोपी के रूप में चिन्हित किया गया है।

एसआईटी ने संदिग्धों से जुड़े डेटा सेंटरों पर छापेमारी की, जहां वोट डिलीट करने के लिए 'वांइस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल' तकनीक का इस्तेमाल किया गया था। जांच एजेंसी ने भाजपा नेता सुबाष गुप्तेदार, उनके बेटों हर्षानंद और संतोष गुप्तेदार तथा उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट के ठिकानों पर भी छापे मारे।

इस दौरान एसआईटी को गुप्तेदार के घर के पास जली हुई

मतदाता रिकॉर्ड की फाइलें मिलीं। इस पर गुप्तेदार ने सफाई दी कि दिवाली की सफाई के दौरान घर के कर्मचारियों ने कचरा सामग्री जला दी थी और इसमें कोई गलत नीयत नहीं थी।

आलंद विधायक बीआर पाटिल ने कहा कि वे एसआईटी की जांच के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर वे वोट डिलीट हो जाते, तो उनका चुनाव हारना तय था। साल 2023 के चुनाव में पाटिल ने भाजपा प्रत्याशी सुबाष गुप्तेदार को लगभग 10 हजार वोटों से हराया था।

इस बीच, मंत्री प्रियांक खरो से इस मामले पर प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है। एसआईटी का कहना है कि अभी जांच आलंद तक सीमित है, लेकिन जरूरत पड़ने पर अन्य क्षेत्रों में भी जांच बढ़ाई जा सकती है। यह मामला कर्नाटक में चुनावी ईमानदारी पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

ड्यूटी में लापरवाही पर एसएसपी की कड़ी कार्यवाई

दरभंगा में आठ महिला पुलिसकर्मी निलंबित

दरभंगा (एजेंसियां)।

छठ पर्व के अवसर पर विशेष ड्यूटी पर तैनात आठ महिला पुलिस कर्मियों के ड्यूटी से गायब पाए जाने के बाद एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने बड़ी कार्यवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने विभागीय कार्यवाई के भी आदेश दिए हैं। इस कार्यवाई से जिले में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार निलंबित महिला पुलिसकर्मियों में विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र की कंचन कुमारी, संगीता कुमारी, सुक्रिति कुमारी, बाबुल कुमारी और बहादुरपुर थाना क्षेत्र की कोमल, श्वेता, नीतिका कुमारी, ममता कुमारी शामिल हैं। सभी के खिलाफ थानाध्यक्षों द्वारा जांच के दौरान ड्यूटी से अनुपस्थिति की



रिपोर्ट एसएसपी को दी गई थी। एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने बताया कि अनुशासनहीनता के कारण सभी महिला पुलिस कर्मियों के खिलाफ यह कार्यवाई की गई है। उन्होंने यह भी कहा

कि ड्यूटी में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ भविष्य में भी कड़ी कार्यवाई की जाएगी। निलंबित पुलिस कर्मियों को जीविकोपार्जन के लिए भत्ता देने का निर्देश भी दिया गया है।

एसआईटी ने पूर्व प्रशासनिक अधिकारी को किया गिरफ्तार

पठानमथिड्डा (एजेंसियां)।

सबरीमाला मंदिर से गायब सोने की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंदिर के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी बी मुरारी बाबू को गिरफ्तार किया है। इससे पहले मंगलवार को सबरीमाला से सोना गायब होने के मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल ने मंगलवार को केरल उच्च न्यायालय में एक सीलबंद लिफाफे में अपनी पहली रिपोर्ट दाखिल की थी।

उन्होंने बताया कि सोना गायब होने के विवाद के बाद त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) द्वारा निलंबित किए गए बाबू को बुधवार रात चंगनास्सेरी स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया गया।

इसके बाद उन्हें पूछताछ के लिए तिरुवनंतपुरम के क्राइम ब्रांच कार्यालय में स्थानांतरित किया गया। मुरारी बाबू के परिवारजन गुरुवार सुबह क्राइम ब्रांच



कार्यालय पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे एसआईटी ने बाबू की गिरफ्तारी दर्ज की और उनके रिश्तेदारों को पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया। बाद में उन्हें बाबू से मिलने की अनुमति दी गयी। अधिकारियों ने बताया कि एसआईटी शाम को बाबू को यहां

पथनमथिड्डा स्थित प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश करेंगी। एसआईटी विस्तृत पूछताछ के लिए बाबू की हिरासत की मांग करते हुए अदालत में याचिका दायर कर सकती है। बाबू सबरीमाला में द्वारपालक की मूर्तियों की सोने से जड़ी प्लेटों और मंदिर के श्रीकोविल

(गर्भगृह) के द्वार-चौखटों से सोना गायब होने से संबंधित दो मामलों में आरोपी है।

मामलों में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोद्दी ने 2019 में जब टीडीबी को द्वारपालक मूर्तियों पर 'इलेक्ट्रोप्लेटिंग' (सोने की परत चढ़ाने) का प्रस्ताव दिया था तो बाबू ने बोर्ड को प्रस्ताव भेजा,

जिसमें दावा किया गया कि सोने से मढ़ी प्लेटें तांबे से बनी थीं। उन्होंने कथित तौर पर 2025 में फिर से पोद्दी की ओर से इसी तरह का प्रस्ताव भेजा।

बाबू हरिपद में उप देवस्वओम आयुक्त के पद पर कार्यरत थे। हाल ही में उन्हें सेवा से निलंबित कर दिया गया। टीडीबी सतर्कता विभाग ने प्रारंभिक जांच के बाद एक रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें द्वारपालक की मूर्तियों और श्रीकोविल के दरवाजों के प्रेम से सोना निकालने में बोर्ड के कुछ अधिकारियों की संलिप्तता पर संदेह बताया गया था।

सतर्कता विभाग ने बाबू और सात अन्य टीडीबी अधिकारियों द्वारा पोद्दी को सोने से मढ़ी हुई प्लेटें सौंपने में गंभीर चूक की ओर भी इशारा किया। केरल उच्च न्यायालय के निर्देश पर मामले की जांच कर रही एसआईटी ने पहले ही पोद्दी को गिरफ्तार कर लिया है।